www.anokhateer.com
anokhateer@gmail.com
पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

दैनिक
अनोखा तीर
हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित
निशाने पर हर खबर
15 फरवरी 2026
हरदा, रविवार
वर्ष-15, अंक - 252, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
फाल्गुन कृष्ण पक्ष - 13
विक्रम संवत् 2082

पूजा के 6 मुहूर्त

सुबह के मुहूर्त

चर	सुबह 8.24	सुबह 9.48
लाभ	सुबह 9.48	सुबह 11.11
अमृत	सुबह 11.11	दोपहर 12.35

शाम का मुहूर्त

शुभ	शाम 6.11	रात 7.47
अमृत	शाम 7.47	रात 9.23
चर	रात 9.23	रात 10.59

महाशिवरात्रि

महाकालेश्वर मंदिर में तड़के भस्म आरती

पंचामृत अभिषेक, रजत श्रृंगार और भस्म अर्पण के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने किए बाबा महाकाल के दिव्य दर्शन

अनोखा तीर, उज्जैन।

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के भस्म आरती के दौरान सुबह 4 बजे पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में विराजित सभी देव प्रतिमाओं का पूजन किया और भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर व फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक संपन्न कराया। प्रथम घंटानाद के साथ हरि ओम का जल अर्पित किया गया।

इसके बाद भगवान महाकाल को त्रिशूल, त्रिपुण्ड और रुद्राक्ष माला अर्पित कर अलंकरण किया गया। मस्तक पर रजत चंद्र, भांग, चंदन तथा गुलाब की मालाओं से श्रृंगार के पश्चात कपूर आरती हुई और जटाधारी स्वरूप में रजत मुकुट धारण कराया गया। ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से आच्छादित कर भस्म अर्पित की गई तथा ड्रायफ्रूट और आभूषणों का भोग लगाया गया। भस्म अर्पण के बाद शेषनाग आकृति का रजत मुकुट, रजत मुंडमाल, रुद्राक्ष माला और सुगंधित पुष्पमालाएं चढ़ाई गईं।

विदेशी फूलों से सज रहा महाकाल मंदिर, दक्षिण भारत के नटराज मंदिर की थीम दिखेगी

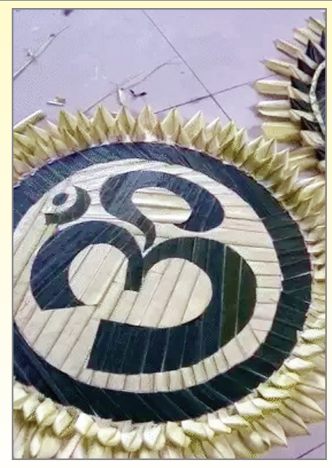

विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर भव्य सजावट की तैयारियां शुरू हो गई थी। बाबा महाकाल का दरबार सात समंदर पार से मंगाए गए विदेशी फूलों से सजाया जा रहा है। सजावट के लिए बेंगलुरु से पहुंचे 200 से अधिक कलाकार 40 से ज्यादा प्रजातियों के फूलों का उपयोग कर मंदिर परिसर को आकर्षक रूप दे रहे हैं। महाशिवरात्रि पर्व पर हर वर्ष महाकालेश्वर मंदिर को बेंगलुरु से आए कलाकार निशुल्क विदेशी फूलों से सजाते हैं। इस बार भी भगवान महाकाल का दरबार 40 से अधिक प्रजातियों के फूलों से सुसज्जित किया जा रहा है। करीब 200 कलाकार मंदिर के नंदी हॉल को आकर्षक फूल सज्जा से सजा रहे हैं। खास बात यह है कि लाखों रुपए की लागत से अधिकांश फूल हवाई मार्ग से पहले बेंगलुरु और फिर इंदौर लाए गए हैं। शनिवार शाम तक महाकाल का आंगन पूरी तरह विदेशी फूलों से सजा हुआ नजर आया। महाकालेश्वर मंदिर की सजावट इस बार दक्षिण भारत के प्रसिद्ध नटराज मंदिर की थीम पर की जा रही है। सजावट कार्य का नेतृत्व कर रहे कृष्णमूर्ति रेड्डी ने बताया कि उनकी टीम के कलाकार भव्य तैयारियों में जुटे हैं। रेड्डी पिछले 12 वर्षों से महाशिवरात्रि पर मंदिर को प्राकृतिक फूलों और पत्तियों से पूरी तरह नेचुरल थीम में सजाते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार फूल सिंगापुर, हांगकांग, स्विट्जरलैंड और इंडोनेशिया से मंगाए गए हैं। सजावट गर्भगृह के साथ-साथ नंदी हाल और मंदिर के प्रमुख हिस्सों में भी की जा रही है। पिछले वर्ष महाशिवरात्रि की सजावट पर लगभग 30 लाख रुपये खर्च हुए थे, जबकि इस बार का अंतिम खर्च आयोजन के बाद तय होगा।

ओंकारेश्वर में आयोजित होगा महादेव महोत्सव

अनोखा तीर, खंडवा। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा शिव-साधना और कला-सौंदर्य के दिव्य संगम के रूप में ओंकारेश्वर के नागरघाट पर एक दिवसीय 'महादेव महोत्सव' का आयोजन 15 फरवरी को सायं 6 :30 बजे से किया जाएगा। जिला प्रशासन, खंडवा के सहयोग से आयोजित यह महोत्सव शिव-शक्ति, लोकआस्था और सांस्कृतिक चेतना का अनुपम उत्सव होगा। समारोह में खरगोन की सुश्री मनीषा हरीवल्लभ शास्त्री की निमाड़ी लोक गायन की प्रस्तुति होगी, तो खंडवा की सुश्री नंदिनी सावनेर शिव केंद्रित नृत्य नाटिका पेश करेंगी।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहनों के खातों में

अंतरित की 1836 करोड़ की राशि

- 600 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का शुभारंभ व लोकार्पण
- पंधाना में प्याज प्रोसेसिंग यूनिट और सुक्ता माइक्रो सिंचाई परियोजना की घोषणा

अनोखा तीर, खंडवा।

डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को पंधाना में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत प्रदेश की कुल 1.25 करोड़ हितग्राहियों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से 1836 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की। इनमें खण्डवा जिले की लगभग 2 लाख हितग्राही शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने पंधाना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण विकास घोषणाएं कीं। उन्होंने सुक्ता माइक्रो सिंचाई परियोजना को स्वीकृति देने, जल संसाधन विभाग का पंधाना तालाब नगर परिषद को हस्तांतरित करने तथा पंधाना में एक जिला- एक उत्पाद योजना के तहत प्याज की प्रोसेसिंग यूनिट स्वीकृत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को विशेष सम्मान दिया गया है। प्रदेश सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से लाड़ली बहना योजना प्रारंभ की गई है। उन्होंने बताया कि पहले गरीब परिवारों को बेटियों के विवाह के लिए कर्ज लेना पड़ता था, लेकिन अब मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 55 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है।

करोड़ों के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लगभग 255 करोड़ रुपए की लागत के 2 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लगभग 354 करोड़ रुपए की लागत के 11 निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। भूमिपूजन में 252 करोड़ रुपए की लागत वाली खण्डवा नगर निगम की सीवरेज परियोजना और 2.90 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले पंधाना बस स्टैंड, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं रैन बसेरा शामिल हैं। लोकार्पित कार्यों में 301.41 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित भाम सिंचाई परियोजना, 37 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय पंधाना, 11.06 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित संयुक्त एसडीएम कार्यालय पंधाना भवन शामिल हैं। इसके अलावा 65-65 लाख रुपए की लागत से बने छैगांवदेवी एवं हरसवाड़ा के आयुष्मान आरोग्य केंद्र भवन, बलखड़घाटी में 49 लाख रुपए की लागत से निर्मित आयुष्मान आरोग्य केंद्र भवन, 52-52 लाख रुपए की लागत से छैगांवमाखन, रेहमापुर और हरसवाड़ा में सहकारिता विभाग के गोदाम भवन तथा 50-50 लाख रुपए की लागत से ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन एवं प्रयोगशाला भवन का लोकार्पण भी किया गया। इससे पूर्व सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने अपने संबोधन में खण्डवा जिले को 600 करोड़ रुपए से अधिक की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। विधायक छाया गोविंद मोरे ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर प्रगति कर रहा है और उन्होंने पंधाना क्षेत्र में प्याज प्रोसेसिंग यूनिट स्वीकृत करने का अनुरोध किया था, जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक पंधाना छाया गोविंद मोरे, खण्डवा विधायक कंचन मुकेश तन्वे, मांधाता विधायक नारायण पटेल, खण्डवा महापौर अमृता अमर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी सुदेश वानखेड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिव्यादित्य शाह, संभागायुक्त डॉ.सुदाम खाड़े, पुलिस महानिरीक्षक अनुराग, कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक मनोज राय, जिला भाजपा अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

आईएएस मनीष सिंह को फिर सौंपी जनसंपर्क की कमान

पदभार ग्रहण कर मुख्यमंत्री से की सौजन्य भेंट

अनोखा तीर, हरदा।

विधानसभा के बजट सत्र से पहले शुक्रवार रात को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा 11 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। जिसमें जनसंपर्क विभाग का प्रमुख दायित्व आईएएस मनीष सिंह को एक बार फिर सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले विधानसभा चुनाव से पहले भी मनीष सिंह जनसंपर्क आयुक्त के पद पर पदस्थ हुए थे। जिन्होंने सरकार और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखते हुए सरकार की छबि निखारने में अहम भूमिका निभाई थी। गौरतलब हैं कि पिछले कुछ समय से जनसंपर्क आयुक्त दीपक सक्सेना और मीडिया कर्मियों एवं अखबारों के संपादकों के बीच खींचतान जैसी स्थिति के चलते सरकार की छबि खराब हो रही थी। हालात यह थे कि मीडिया तो दूर बल्कि स्वयं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी कर्मचारी भी व्यवस्थाओं को लेकर नाराज चल रहे थे। लेकिन समय रहते ही मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने स्थिति को देखते हुए जनसंपर्क आयुक्त का दायित्व एक बार फिर आईएएस अधिकारी मनीष सिंह को सौंप दिया है। इंदौर को स्वच्छता का खिताब दिलाने वाले मनीष सिंह ने विधानसभा चुनाव से पहले जिला स्तर तक के समाचारपत्र संपादकों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए न केवल उनकी समस्याओं का तत्काल

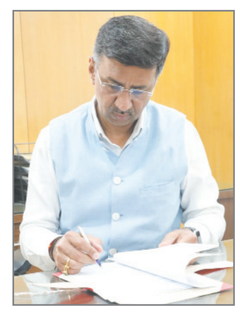

समाधान किया था, बल्कि पाठकों के बीच पठनीय अखबारों को शासकीय विज्ञापनों में भी प्राथमिकता दी थी। गौरतलब है कि 2009 बेंच के आईएएस मनीष सिंह पूर्व में इंदौर एसडीएम, भोपाल नगर निगम आयुक्त, इंदौर विकास प्राधिकरण सीईओ, इंदौर निगम आयुक्त, एमडी एकेवीएन इंदौर, इंदौर कलेक्टर, उज्जैन कलेक्टर एमडी मेट्रो, जनसंपर्क आयुक्त जैसे प्रमुख पदों पर काबिज रहे हैं। देर रात तबादला आदेश जारी होने उपरांत आज सुबह मनीष सिंह ने जनसंपर्क आयुक्त का कार्यभार ग्रहण करने पश्चात मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। उल्लेखनीय है कि श्री सिंह के पास आयुक्त जनसंपर्क एवं एमडी माध्यम के साथ-साथ परिवहन सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। हम उम्मीद करते हैं कि पूर्व की तरह ही श्री सिंह जनसंपर्क विभाग के माध्यम से सरकार और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करते हुए पिछले कुछ समय से व्याप्त नकारात्मक माहौल को सकारात्मक बनाने में कामयाब होंगे। नवीन कार्य दायित्व मिलने पर दैनिक अनोखा तीर परिवार की ओर से हार्दिक मंगलकामनाएं, बधाई।

- दो दर्जन ग्रामों को दी 3.59 करोड़ के निर्माण कार्यों की सौगात
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने केंद्रीय राज्य मंत्री के साथ किया भूमिपूजन

जन-जन की समृद्धि के लिए काम कर रही केंद्र- मध्यप्रदेश सरकार : खंडेलवाल

अनोखा तीर, बैतूल।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के प्रयासों से मुख्यमंत्री विशेष विधि से स्वीकृत 3 करोड़ 59 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत हुए 24 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन 14 फरवरी को श्री खंडेलवाल ने केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके के साथ किया। बैतूल विधानसभा क्षेत्र के बारहवीं, खंडारा एवं खेड़ी सांवलीगढ़ ग्रामों में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि 1947 में देश आजाद हुआ था, तब से यदि विकास होता तो हम दुनिया में अव्वल होते। जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो विकास ने रफ्तार पकड़ी अब हर क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गांव और शहरों के चहुंमुखी विकास के साथ ही जन-जन की समृद्धि के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सतत काम किया जा रहा है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि बैतूल विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम में वहां के निवासियों की आवश्यकताओं के मुताबिक हर मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे रहवासियों का जीवन आसान बन सके। हमारा प्रयास प्रत्येक ग्राम को आदर्श ग्राम बनाना है।

- **विकास के क्षेत्र में हो रहा अभूतपूर्व काम**- बैतूल विधानसभा क्षेत्र के खंडारा ग्राम में निर्माण कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 11 वर्षों में विकास सहित हर क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है। पूर्व सांसद स्वर्गीय विजय कुमार खंडेलवाल का जिक्र करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उईके ने कहा कि बाबूजी ने बैतूल जिले में विकास की नई इबारत लिखी थी। अब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल बैतूल विधानसभा ही नहीं बल्कि समूचे बैतूल जिले के विकास के लिए जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जमीनी स्तर तक क्रियान्वयन होने से आज शहरों से लेकर गांव-गांव तक समग्र विकास नजर आ रहा है।
- **3 करोड़ की लागत से बनेंगे 20 सामुदायिक भवन**- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने शनिवार को बैतूल विधानसभा क्षेत्र के बारहवीं, खंडारा, खेड़ी सांवलीगढ़ ग्रामों में मुख्यमंत्री विशेष निधि से 3 करोड़ 59 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत 24 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। जिसमें 3 करोड़ 8 लाख रुपए की लागत से बारहवीं, सोहागपुर, सेलगांव, नाहिया, बघौली गोरखार, दीवान चारसी, नीमझिरी, कन्नड़गांव, भैंसदेही, खेड़ली, लाखापुर, बघवाड़, बडोरा, पीपला, गोनीघाट, मंडई खुर्द, लापाझिरी, महदगांव, जामठी ग्रामों में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवनों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही सोहागपुर में सपना नहर के पास 16 लाख रुपए की लागत से ब्रिज, खंडारा में 15 लाख रुपए की लागत से मोक्षधाम घाट, खेड़ी सावलीगढ़ में चिंतामन बाबा के पास 10 लाख रुपए से शेड, घाट तथा कुम्हली ग्राम के हाट बाजार में 10 लाख रुपए की लागत से सीसी पुलिया और चौपाल का निर्माण होगा।

- **सामाजिक समरसता के साथ बढ़ेगी रोजगार गतिविधियां**- हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक गतिविधियों, धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसलिए चरणबद्ध तरीके से बैतूल विधानसभा की प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं बड़े ग्राम में सर्व सुविधायुक्त सामुदायिक भवनों का निर्माण करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवनों के निर्माण होने से सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन सुलभ होगा। स्व सहायता समूह की महिलाओं सहित युवाओं, ग्रामीणों द्वारा ग्राम सभाओं, बैठकों प्रशिक्षण का आयोजन भी किया जा सकेगा। सामुदायिक भवनों के निर्माण से गांव-गांव में सामाजिक समरसता के साथ के साथ ही रोजगार गतिविधियां भी बढ़ेगी।
- **औद्योगीकरण की रहा हो रही आसान**- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि उन्होंने विधायकी के पहले कार्यकाल में पारसडोह, घूघरी, गढ़ा, मेंढ़ा, वर्धा सहित अन्य सिंचाई परियोजना स्वीकृत करवाई थी। जिससे जिले में सिंचाई के रकबे में साल दर साल इजाफा हो रहा है। गांव-गांव में प्रत्येक घर तक नल से शुद्ध जल पहुंचने के लिए मेंढ़ा जलाशय पर 200 करोड़ की पेयजल योजना सहित अन्य बड़ी पेयजल परियोजनाओं पर काम हो रहा है।

सार-समाचार

महाशिवरात्रि

सज गए शिवालय, मंदिरों में होगा अभिषेक

भजन-कीर्तन के साथ मनाया जाएगा पर्व

अनोखा तीर, मसनगांव। महाशिवरात्रि के पर्व को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिवालयों को आकर्षक रूप से सजाया गया है। ग्राम के राधा कृष्ण मंदिर परिसर स्थित शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर विशेष साज-सज्जा की गई है। मंदिरों को बिजली की रंग-बिरंगी रोशनी से सजाकर तैयार किया गया है। सुबह से ही शिव मंदिरों में अभिषेक के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ग्राम के साथ ही करीबी ग्राम, कांकरिया, पलासनेर, कामताड़ा सहित अन्य गांवों में भी शिवालयों में सजावट कर महाशिवरात्रि पर्व की शुरुआत की गई है। सभी स्थानों पर भगवान शिव एवं परिवार की पूजा के लिए पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक एवं पूजन संपन्न कराया जाएगा। दोपहर पश्चात बाबा का आकर्षक श्रृंगार कर दर्शनार्थियों के लिए शिव मंदिरों को दिनभर खोला जाएगा।

मंदिरों में बंटेगा प्रसाद

ग्राम के शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में विशेष प्रसादी के रूप में खिचड़ी का वितरण किया जाएगा। मंदिर समिति के कमलेश बांके ने बताया कि भगवान के अभिषेक-पूजन के पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा। सुबह से ही श्रद्धालुओं के लिए मंदिर में जल चढ़ाने का सिलसिला जारी रहेगा, जो दोपहर तक चलेगा। इसके पश्चात भगवान का श्रृंगार किया जाएगा। शाम के समय विशेष आरती एवं भजनों का आयोजन होगा।

आईआरसीटीसी ने जून 2026 के लिए 'यूरोप बिथ यूके' प्रीमियम टूर पैकेज किया लॉन्च

यूरोप विथ यूके टूर यात्रा भोपाल से दिल्ली होते हुए प्रारंभ होगी

अनोखा तीर, भोपाल। इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा मध्यप्रदेश के पर्यटकों के लिए एक प्रीमियम अंतरराष्ट्रीय टूर पैकेज 'यूरोप बिथ यूके' लॉन्च किया गया है। यह पैकेज 9 जून 2026 से प्रारंभ होगा। 15 रात एवं 16 दिन की अवधि वाले इस पैकेज में पर्यटकों को यूरोप के प्रमुख देशों की यात्रा कराई जाएगी। इस टूर पैकेज के अंतर्गत यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, बेल्जियम, फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड, ऑस्ट्रिया

और इटली के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का भ्रमण शामिल है। यात्रा के दौरान लंदन आई, एफिल टॉवर, लूव्र म्यूज़ियम, माउंट टिटलिस, लुसेर्न झील, राइन फॉल्स, वेटिकन सिटी तथा कोलोसियम जैसे प्रमुख आकर्षणों का अवलोकन कराया जाएगा। पैकेज में रिटर्न एयर टिकट, 3-स्टार होटलों में ठहराव, सभी भोजन, दर्शनीय स्थल भ्रमण, क्रूज़ यात्रा, यूके एवं शेंगेन वीज़ा शुल्क (सामान्य), ट्रैवल इंश्योरेंस तथा टूर मैनेजर की सेवाएं सम्मिलित हैं। यह टूर 34 सीटों के साथ संचालित किया जाएगा। यात्रा इंदौर एवं भोपाल से दिल्ली होते हुए प्रारंभ होगी। पैकेज की शुरुआती कीमत 4.77 लाख प्रति व्यक्ति है (टीसीएस अतिरिक्त)। यात्रा की तिथि से कम से कम छह माह वैध पासपोर्ट अनिवार्य है। वीज़ा जारी होना संबंधित दूतावास की स्वीकृति पर निर्भर करेगा।

'आंख मूंदकर' अपील न करें

- **समय बर्बाद करने पर हाइकोर्ट ने मप्र सरकार पर ठोका 10 हजार का जुर्माना**

अनोखा तीर, जबलपुर। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जस्टिस ए के सिंह ने यह फैसला एक क्रिमिनल रिवीजन अपील को खारिज करते हुए सुनाया। कोर्ट ने कहा कि कानून को ठीक से जाने बिना आंख मूंदकर अपील दायर करने से राज्य सरकार और कोर्ट दोनों का समय बर्बाद होता है।

वाइल्ड एनिमल प्रोटेक्शन से जुड़ा है मामला- यह मामला वाइल्ड एनिमल प्रोटेक्शन एक्ट 1972 से जुड़ा था। सरकार ने ट्रायल कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी जिसमें जुगल किशोर नाम के आरोपी को बरी कर दिया गया था। ट्रायल कोर्ट ने एक दूसरे आरोपी को सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ एडिशनल सेशंस जज पन्ना के सामने अपील की गई थी। एडिशनल सेशंस जज ने 29 जून 2013 को अपने आदेश में कहा था कि यह अपील हाईकोर्ट में सेक्शन 378 (4) के तहत फाइल होनी चाहिए थी।

बिना सोचे समझे दायर की अपील- हाईकोर्ट की एकलपीठ ने पाया कि सरकार की रिवीजन अपील में यह ठीक से नहीं बताया गया था कि एडिशनल सेशंस जज का

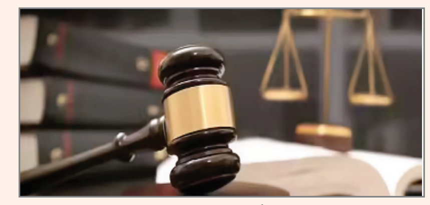

आदेश कानून के हिसाब से गलत कैसे था। कोर्ट ने यह भी कहा कि अपील कोर्ट ने अधिकार क्षेत्र का एक अहम मुद्दा तय किया था। ऐसा लगा कि राज्य सरकार की यह अपील बिना सोचे-समझे और जल्दबाजी में तैयार की गई थी। इसमें विधि विभाग और महाधिवक्ता कार्यालय से भी ठीक से जानकारी नहीं ली गई थी।

कोर्ट ने माना पैसे और समय की बर्बादी- जस्टिस ए के सिंह ने अपने आदेश में साफ कहा कि कानून को जाने बिना यूं ही अपील दायर करना राज्य और कोर्ट के समय और पैसे की बर्बादी है। इसलिए, एकलपीठ ने राज्य सरकार पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया और क्रिमिनल रिवीजन अपील को खारिज कर दिया।

भोपाल के कॉलेज में फाइनेंस कंपनी कर्मचारी से मारपीट

अनोखा तीर, भोपाल।

भोपाल के सूखीसेवनिया थाना इलाके में बने कॉलेज के मालिक सहित कर्मचारियों पर एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी को पीटने के आरोप लगे हैं। घटना शुक्रवार दोपहर की है, जबकि घटनाक्रम से जुड़ा एक वीडियो शनिवार दोपहर सामने आया है। इस वीडियो में कॉलेज के कर्मचारी वसूली के लिए पहुंचे फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी को पीटते नजर आ रहे हैं।

पीड़ित राजेंद्र चौहान के मुताबिक शुक्रवार दोपहर 2 बजे करीब कॉलेज गया था। इस कॉलेज के मालिक ने 72 लाख रुपए का लोन लिया हुआ था। लोन की तीन किस्त बाउंस थीं। कॉलेज में मिले 5 से 6 कर्मचारियों ने मुझे एक कमरे में बैठाया। यहां पूछा कि मालिक के घर कैसे गए। मैंने बताया कि लगातार कॉलेज आने पर मालिक नहीं मिल रहे थे। तब मुझे मजबूरन रेसीडेंशियल एड्रेस पर जाना पड़ा। इस बात पर सभी युवक आक्रोशित हो गए और मारपीट शुरू कर दी।

वन्य जीव और वनों के लिए

बनेगा लीगल सेल

वन बल प्रमुख ने कानूनी प्रकोष्ठ का गठन किया

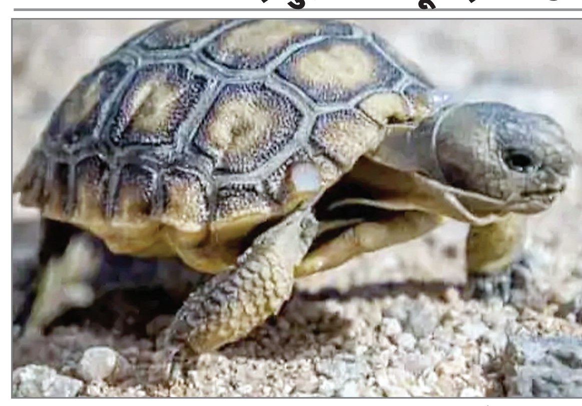

अनोखा तीर, भोपाल।

पीसीसीएफ विजय अंबाडे ने न्यायालयीन मामलों में समय पर पैरवी नहीं होने से विभाग और सरकार को होने वाली नुकसान को गंभीरता से लिया है।

कोर्ट पहुंचने वाले मामलों में विभाग की जीत और अदालती मामलों को सुव्यवस्थित करने तथा कानूनी जवाबदेही तय करने के लिए पीसीसीएफ अंबाड़े ने 'वन भवन' मुख्यालय में 'लीगल सेल' (कानूनी प्रकोष्ठ) की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व से वजूद में आ जाएगा।

इसको लेकर पीसीसीएफ एंड हॉफ की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि वन्यजीवों को न्याय दिलाने के लिए यह सेल विभाग के कानूनी पक्ष को मजबूत करके वन शत्रुओं, विशेष रूप से बाघों के शिकारियों को सख्त से सख्त सजा (दोषसिद्धि) के लिए काम करेगा।

15 फरवरी से शुरू होगा लीगल सेल का काम

आदेश में कहा गया है कि कई न्यायालयीन मामलों में प्रभारी अधिकारी (ओआईसी) समय पर जवाबदावा प्रस्तुत नहीं कर पा रहे हैं या सुनवाई के दौरान अनुपस्थित रहने जैसी स्थितियां सामने आ रही हैं। इससे विभाग की छवि प्रभावित हो रही है और न्यायालयीन केसों में विभाग का पक्ष कमजोर पड़ रहा है। इसलिए वन मुख्यालय, वन भवन, भोपाल में 'विधि प्रकोष्ठ' बनेगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (उत्पादन), एमपी को प्रकोष्ठ का नियंत्रणकारी अधिकारी बनाया गया है। विभागीय मामलों के समन्वय और समीक्षा के लिए सूचना प्रौद्योगिकी कक्ष द्वारा सहयोग और पोर्टल निर्माण में मदद की जाएगी। आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों को विधि प्रकोष्ठ में जिम्मेदारी दी जाएगी।

- होने वाले पति के मोबाइल में दिखी 'दूसरी' लड़की की फोटो

नाबालिग मंगेतर ने बिजली के तार से घोंट दिया गला

अनोखा तीर, कटनी।

मध्य प्रदेश के कटनी जिले में पुलिस में चौंकाने वाला खुलासा किया है। यहां ससुराल पहुंचे एक युवक की उसकी ही होने वाली नाबालिग पत्नी (मंगेतर) ने हत्या कर दी। हत्या की वजह बेहद चौंकाने वाली है। युवक के मोबाइल में किसी और लड़की की फोटो देखकर मंगेतर का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। आवेश में आकर उसने बिजली के तार से गला घोंटकर अपने होने वाले पति को मौत के घाट उतार दिया है। पुलिस ने मामले का पर्दाफाश करते हुए आरोपी नाबालिग को हिरासत में लेकर किशोर न्यायालय में पेश किया है।

होने वाली पत्नी से मिलने पहुंचा था पति- दरअसल पूरी घटना कटनी जिले रीठी थाना क्षेत्र के खम्हरिया गांव की है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान सुनील आदिवासी, 20 वर्ष निवासी पड़वार थाना विजयराघवगढ़ के रूप में हुई है। सुनील की शादी रीठी के खम्हरिया गांव की एक नाबालिग लड़की से तय हुई थी। बुधवार की रात सुनील अपनी होने वाली पत्नी से मिलने उसके गांव खम्हरिया पहुंचा था। दोनों के बीच बातचीत चल रही थी। इसी दौरान मंगेतर ने सुनील का मोबाइल चेक किया।

लड़की की फोटो देख हुआ विवाद- पूछताछ में आरोपी प्रेमिका ने पुलिस को बताया कि मोबाइल चेक करते समय उसे किसी दूसरी लड़की की फोटो दिख गई। फोटो देखते ही उसे शक हुआ और दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। गुस्सा इतना बढ़ा कि नाबालिग मंगेतर ने पास ही पड़े बिजली के तार से सुनील का गला घोंट दिया।

- **गले पर मिले निशान से खुला राज-** अगली सुबह गुरुवार सुनील का शव गांव के पास संदिग्ध हालत में मिला। पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि मृतक के गले और शरीर पर चोट के निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और गले के निशान से साफ हो गया कि यह हत्या है। पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ शुरू की तो मंगेतर बयानों में उलझने लगी। सख्ती बरतने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।
- **आरोपी लड़की किशोर न्यायालय में पेश-** एडिशनल एसपी संतोष डेहरिया ने बताया की युवक अपनी मंगेतर से मिलने आया था। मोबाइल में दूसरी लड़की की फोटो देखने पर विवाद हुआ, जिसके बाद नाबालिग लड़की ने तार से गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी को अभिरक्षा में लेकर किशोर न्यायालय में पेश किया गया है। हत्या में प्रयुक्त बिजली का तार भी जब्त कर लिया गया है।

प्रसाद खाने से एक ही परिवार के 18 लोग बीमार

- तबीयत बिगड़ने पर जबलपुर-गोटेगांव में भर्ती, एक की हालत नाजुक, नागपुर रेफर

अनोखा तीर, जबलपुर।

मध्यप्रदेश के जबलपुर में प्रसाद के रूप में मिठाई खाने से एक ही परिवार के 18 लोगों की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित जबलपुर में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक की हालत नाजुक है, जिसे नागपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक भेड़ाघाट चौराहे पर रहने वाले पटेल परिवार ने बुधवार को बीकानेर स्वीट्स से 4 किलो मिठाई खरीदी थी। गुरुवार को परिवार के सदस्य त्रिपुर सुंदरी मंदिर पहुंचे, जहां पूजा-पाठ के बाद उन्होंने प्रसाद के रूप में वही मिठाई खाई। गुरुवार शाम से ही तबीयत बिगड़ने लगी थी, जब हालत ज्यादा खराब हुई तो शुक्रवार को सभी बीमारों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पीड़ित परिवार के रिश्तेदार रोहित पटेल ने बताया कि बीमार लोगों में दो पुरुष हैं, शेष बच्चे और महिलाएं हैं।

उल्टी दस्त के बाद बिगड़ी तबीयत

भेड़ाघाट निवासी रोहित पटेल ने बताया कि मिठाई खाने के बाद परिवार के कई लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्होंने कहा कि जैसे ही लोगों को उल्टी और दस्त की शिकायत हुई, उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उनकी हालत में अभी तक कोई सुधार नहीं हुआ।

- **देर रात बिगड़ी तबीयत-** गुरुवार रात अचानक परिवार के कई सदस्यों की तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें उल्टी और दस्त होने लगे। आनन-फानन में शुक्रवार को उन्हें जिला अस्पताल जबलपुर सहित निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। वहीं कुछ लोगों को नरसिंहपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोटेगांव में इलाज के लिए भर्ती किया गया।
- **एक की हालत नाजुक-** निजी अस्पताल में भर्ती एक मरीज की हालत बिगड़ने पर उसे नागपुर रेफर किया गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन सतर्क हो गया है। आशंका जताई जा रही है कि मिठाई खाने से फूड पॉइजनिंग की घटना हुई है, हालांकि जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

15 साल की नाबालिग ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

अनोखा तीर, भोपाल। सूखी सेवनिया थाना इलाके में रहने वाली 15 साल की किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर के एक कमरे में किशोरी ने अपने दुपट्टे का फंदा तैयार कर फांसी लगाई है। शुक्रवार रात फंदे पर लटके शव को देखने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर केस की जांच शुरू कर दी है। सुखी सेवनिया थाने के एसआई यादव ने बताया कि 15 वर्षीय काजल बंजारा पिता रमेश बंजारा सुखी शिवन्या बंजारा बस्ती की रहने वाली थी।

उज्जैन वन मेले में भारत गौरव बाबूलाल दहिया का सम्मान

-बीज संरक्षण और बघेली संस्कृति के प्रहरी को मिला गौरव

अनोखा तीर, भोपाल।

उज्जैन वन मेले में बीज संरक्षण और बघेली संस्कृति के संरक्षण के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले बाबूलाल दहिया को भारत गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। पर्यावरण, संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान पत्र भेंट किया गया। बाबूलाल दहिया मध्य प्रदेश के सतना जिले के ग्राम पिथौराबाद के निवासी हैं। वे प्रख्यात किसान, बीज संरक्षक, साहित्यकार और सांस्कृतिक धरोहर के संवाहक के रूप में देश-विदेश में पहचान रखते हैं। पारंपरिक खेती और बघेली संस्कृति के संरक्षण में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान भी प्रदान किया जा चुका है।

बीज संरक्षण का अद्वितीय कार्य - बाबूलाल दहिया ने आधुनिक खेती के दौर में लुप्त होती पारंपरिक धान और अन्य फसलों की देशी किस्मों को बचाने का संकल्प लिया। उन्होंने अपने खेत में सैकड़ों देशी धान की प्रजातियों का संरक्षण और संवर्धन किया है। ये बीज कम लागत, स्थानीय जलवायु के अनुकूलता और विशिष्ट स्वाद के लिए जाने जाते हैं। देशभर से किसान और शोधकर्ता उनके पास बीज और जानकारी प्राप्त करने आते हैं। उनका यह प्रयास जैव विविधता संरक्षण और टिकाऊ कृषि की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

बघेली भाषा और संस्कृति के संरक्षक

बाबूलाल दहिया किसान होने के साथ-साथ बघेली भाषा के कवि और साहित्यकार भी हैं। वे बघेली भाषा में कविताएँ और लेखन करते हैं, जिनमें प्रकृति, खेती, ग्रामीण जीवन और परंपराओं का सजीव चित्रण मिलता है। अपनी लेखनी और कार्य के माध्यम से वे कृषि और संस्कृति के गहरे संबंध को जीवंत बनाए हुए हैं।

कृषि विरासत का संग्रहालय

उन्होंने अपने घर को पारंपरिक कृषि उपकरणों और ग्रामीण जीवन से जुड़ी वस्तुओं के संग्रहालय के रूप में विकसित किया है। यहां पुराने कृषि औजार, पारंपरिक बर्तन और ग्रामीण संस्कृति से संबंधित सामग्री सुरक्षित रखी गई है। यह संग्रह नई पीढ़ी को अपने अतीत और कृषि परंपराओं से जोड़ने का कार्य कर रहा है। देशी बीजों की रक्षा कर उन्होंने खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता को मजबूत किया है तथा किसानों को आत्मनिर्भर और प्रकृति-अनुकूल खेती के लिए प्रेरित किया है। बघेली भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है। बाबूलाल दहिया का जीवन यह संदेश देता है कि खेती केवल अन्न उत्पादन नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और प्रकृति की रक्षा का माध्यम भी है।

भारतीय रेलवे में दो बड़े सुधार

-यात्रियों को स्वच्छ ऑन-बोर्ड सेवाएं और माल परिवहन को 'गति शक्ति' से नई गति

अनोखा तीर, भोपाल।

भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और माल परिवहन तंत्र को अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में दो महत्वपूर्ण सुधार लागू किए हैं। पहला सुधार ट्रेनों में ऑन-बोर्ड सेवाओं को बेहतर, उत्तरदायी एवं तकनीक-सक्षम बनाने से संबंधित है। वहीं दूसरा सुधार 'गति शक्ति कार्गो टर्मिनल नीति 2022' के माध्यम से रेल आधारित लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

- **स्वच्छता और तकनीक आधारित ऑन-बोर्ड सेवा मॉडल-** यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऑन-बोर्ड सेवाओं में व्यापक सुधार की पहल की गई है। इस नए मॉडल के तहत साफ-सफाई, लिनन प्रबंधन तथा लघु मरम्मत कार्यों को एकीकृत व्यवस्था के रूप में लागू किया जाएगा। बहु-कौशलयुक्त कर्मियों की तैनाती की जाएगी, जो यात्रियों के साथ प्रत्यक्ष संपर्क में रहेंगे और सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करेंगे। सेवा प्रदाताओं की स्पष्ट जवाबदेही तय की जाएगी तथा तकनीक आधारित रियल-टाइम मॉनिटरिंग और फीडबैक प्रणाली लागू की जाएगी। नई व्यवस्था के अंतर्गत सभी कोच, जिनमें सामान्य श्रेणी के डिब्बे भी शामिल हैं, उनके शौचालय, बेसिन एवं कचरा प्रबंधन की नियमित निगरानी की जाएगी। आवश्यकता अनुसार लघु मरम्मत, जल भराव समन्वय तथा सुरक्षा उपकरणों की स्थिति की जांच एवं रिपोर्टिंग भी सुनिश्चित की जाएगी। इस सुधार को चरणबद्ध रूप से दो वर्षों में लागू किया जाएगा तथा देशभर में कुल 80 ट्रेनों में इसे लागू करने की योजना है।

राजस्व वृद्धि और दक्षता की दिशा में पहल

'गति शक्ति' पहल के माध्यम से कार्गो गतिविधियों के एकीकरण को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे माल परिवहन अधिक सुव्यवस्थित और लागत प्रभावी बनेगा। गारंटीड रेल फ्रेट व्यवस्था के माध्यम से राजस्व वृद्धि की संभावना भी व्यक्त की गई है। प्रस्तुति में यह भी संकेत दिए गए हैं कि वर्ष 2025-26 में बल्क सीमेंट परिवहन में वर्ष 2024-25 की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज होने की संभावना है, जो रेल आधारित माल परिवहन में बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

गति शक्ति' कार्गो टर्मिनलों से लॉजिस्टिक्स को प्रोत्साहन

माल परिवहन क्षेत्र में सुधार के तहत 'गति शक्ति कार्गो टर्मिनल नीति 2022' को प्रमुख कदम के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस नीति के अंतर्गत कार्गो टर्मिनलों की स्वीकृति के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की गई है तथा सामान्य उपयोगकर्ता सुविधाओं का विकास रेलवे व्यय से किया जाएगा। नीति के अनुसार रेलवे भूमि पर गोदाम, प्रसंस्करण इकाइयां, ग्राइंडिंग इकाइयां एवं एकत्रीकरण सुविधाओं के विकास की अनुमति दी गई है। अनुपयोगी माल शेडों को भी कार्गो टर्मिनलों के रूप में विकसित किया जा सकेगा।

तीन वर्षों के भीतर 124 मल्टी-मोडल कार्गो टर्मिनलों के विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनकी अनुमानित वार्षिक यातायात क्षमता लगभग 200 मिलियन टन आंकी गई है, जिससे लगभग 20,000 करोड़ रुपये तक के संभावित राजस्व सृजन का अनुमान है। नई नीति के तहत 50 वर्ष तक के दीर्घकालिक अनुबंध, सरलीकृत विवाद निवारण तंत्र तथा मानक लेआउट व्यवस्था को भी शामिल किया गया है। इससे रेल, सड़क, बंदरगाह और औद्योगिक गलियारों के बीच बेहतर बहु-मोडल समन्वय स्थापित होगा तथा लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आने की संभावना है।

मां ने तीन बेटियों को दिया जहर, खुद भी पीया

आलीराजपुर में तीनों की मौत, महिला की हालत गंभीर; पति एक महीने पहले गया गुजरात

आलीराजपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के आलीराजपुर जिले के अडवाड़ा के माफीदार फलिया में शुक्रवार शाम दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक महिला ने अपनी तीन मासूम बेटियों को कीटनाशक पिलाने के बाद खुद भी जहर निगल लिया। तीनों बच्चियों सावित्री (7), कार्तिका (5) और दिव्या (3) की मौत हो गई, जबकि मां नूरीबाई की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना के समय पति मुकेश गुजरात में मजदूरी कर रहा था। परिजन सभी को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां एक बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया। दो अन्य को हालत बिगड़ने पर गुजरात के दाहोद रेफर किया गया, लेकिन उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया।

सार-समाचार

रासेयो ने मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता का दिया संदेश

अनोखा तीर, हरदा। हरदा आदर्श महाविद्यालय हरदा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय के संचालक उमर रऊफ के मार्गदर्शन में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना तथा तनाव, अवसाद और नशे जैसी समस्याओं से बचाव के प्रति प्रेरित करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों द्वारा आकर्षक पोस्टर निर्माण किया गया, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण संदेशों को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही रंग-बिरंगी रंगोली बनाकर स्वस्थ मन, स्वस्थ जीवन का संदेश दिया गया। स्वयंसेवकों ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर समाज में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को उजागर किया। नाटक के माध्यम से बताया गया कि मानसिक समस्याओं को छिपाने के बजाय खुलकर चर्चा करना और समय पर परामर्श लेना आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में सभी को यह संदेश दिया गया कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है तथा हमें स्वयं और अपने आसपास के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए।

कवि राकेश सोनी का किया स्वागत

अनोखा तीर, हरदा। कालापीपल के विराट कवि, साहित्य लेखक एवं चुटीले व्यंग्य के कवि राकेश कुमार सोनी बिंदास का एक दिवसीय दौरा हरदा रहा। इस दौरान शहर में उनका स्वागत किया गया। निजी कार्यक्रम के अंतर्गत उन्होंने हरदा मालवी सोनी समाज के अध्यक्ष राजेश मट्टू सोनी

एवं अन्य पदाधिकारियों से मुलाकात की। चर्चा के दौरान उन्होंने जानकारी दी कि 8 फरवरी 2026 को दिल्ली में हिंदी साहित्य लेखन के क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया। गीतांजलि सभागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में हिंदी लेखक, कवि एवं कवयित्रियों को स्मृति चिन्ह, शॉल, श्रीफल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में देशभर से आए साहित्यकारों, व्यंग्यकारों और चुटीले हास्य लेखन से जुड़े रचनाकारों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में हिंदी साहित्य के विविध आयामों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कुयली वाले छोटे हनुमान जी ने छोड़ा चोला

पर्वत ले जाते हुए प्राचीन प्रतिमा हुई प्रकट, दर्शन को उमड़ी भीड़

अनोखा तीर, सोडलपुर। वार्ड क्र.10 स्थित कुयली वाले हनुमान जी मंदिर में शनिवार सुबह करीब 8 बजे छोटे हनुमान जी ने चोला त्याग किया। इसकी सूचना मिलते ही वार्डवासियों सहित आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में दर्शन के लिए मंदिर पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि चोला

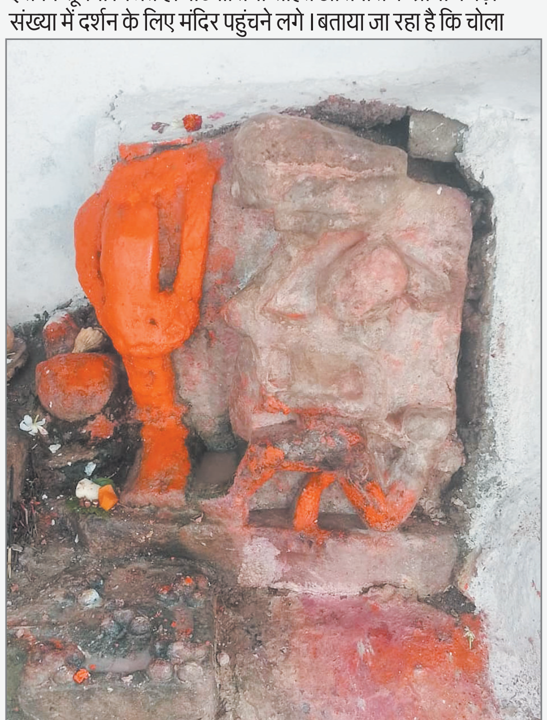

हटने पर जो प्रतिमा प्रकट हुई, वह संजीवनी बूटी सहित पर्वत उठाए हुए स्वरूप में है। पत्थर से निर्मित यह प्रतिमा काफी प्राचीन प्रतीत हो रही है। मौके पर पंडित अनमोल शराफ ने विधि-विधान से पूजन-अर्चना कराई। इसके पश्चात बृजेश महेश्वरी परिवार द्वारा भगवान को नया चोला अर्पित किया गया। दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।

महाशिवरात्रि पर गुप्तेश्वर एवं मृत्युंजय

महादेव मंदिरों में भव्य आयोजन आज

-सुबह 9 बजे निकलेगी शोभायात्रा, उज्जैन भस्मी रमैया ग्रुप देगा प्रस्तुति

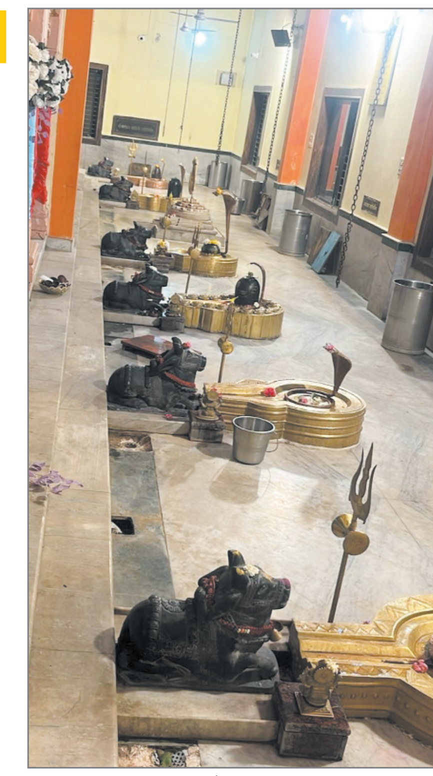

अनोखा तीर, हरदा।

महाशिवरात्रि पर्व पर आज रविवार को बैरागढ़ स्थित गुप्तेश्वर महादेव द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। मंदिर परिसर में 15 फरवरी प्रातः 4 बजे से 16 फरवरी प्रातः 6 बजे तक विशेष दिव्य सेवा महोत्सव आयोजित होगा। आयोजन समिति ने सभी शिवभक्तों को सहपरिवार उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आमंत्रण दिया है। रविवार प्रातः 5 बजे भगवान गुप्तेश्वर एवं द्वादश ज्योतिर्लिंग का एक क्विंटल दूध से पूजन, अभिषेक, श्रृंगार एवं आरती की जाएगी। इसके पश्चात सुबह 9 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। दीपक सोनी और संजय भावसार ने बताया कि मंदिर लगभग चार सौ वर्ष पुराना है, यहां पर नदी का किनारे विशाल कुआं, बरगद का पेड, पीपल का वृक्ष एवं दक्षिण मुखी हनुमान जी की प्रतिमा विराजित है। इन सभी की उपस्थिति स्वयं इस स्थान को सिद्ध बनाती है। उन्होने बताया कि आज आयोजन में प्रातः नौ बजे से शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें उज्जैन के भस्मी रमैया ग्रुप की प्रस्तुति, महावीर बैंड द्वारा भक्तिमय धुनें, आर्केस्ट्रा ग्रुप की चलित भजन प्रस्तुति तथा आकर्षक झांकियां शामिल होंगी। घोड़ा बग्गी पर सजीव शिव-पार्वती झांकी एवं पालकी में विराजमान भगवान गुप्तेश्वर महादेव नगर भ्रमण कर पुनः मंदिर पहुंचेंगे। दोपहर 2 बजे भगवान का राजसी श्रृंगार किया जाएगा तथा एक क्विंटल हलुए का भोग अर्पित कर प्रसाद वितरण होगा। शाम 4 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। रात्रि में विशेष अनुष्ठान और आरती के साथ महाशिवरात्रि का मुख्य कार्यक्रम संपन्न होगा।

मृत्युंजय महादेव का होगा दुर्लभ शिव-पार्वती श्रृंगार- पेडी घाट स्थित लगभग 110 वर्ष प्राचीन मृत्युंजय महादेव मंदिर में भी विशेष तैयारियां की गई हैं। मंदिर में आकर्षक रोशनी, दुर्लभ शिव-पार्वती श्रृंगार, सेल्फी प्वाइंट, भजन संध्या तथा 51 लीटर दूध से महा रुद्राभिषेक का आयोजन रहेगा। हेमंत सोनी ने बताया कि समिति पिछले 11 वर्षों से यह महोत्सव हर्षोल्लास से आयोजित करती आ रही है। मंदिर समिति पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी सजग है। समय-समय पर नदी स्वच्छता अभियान और पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। समिति के सदस्य जन्मदिन जैसे अवसरों पर भी पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हैं। महाशिवरात्रि पर दोनों मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति की संभावना है, जिसके लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

महाशिवरात्रि पर्व पर विशेष यातायात व्यवस्था लागू

अनोखा तीर, हरदा। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की अधिक संख्या एवं यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु हरदा शहर में विशेष यातायात व्यवस्था लागू की जा रही है। 14 फरवरी रात 12 बजे से 15 फरवरी शाम 6 बजे तक हरदा एनएच पर छिपानेर रोड ब्रिज से करताना-छिपानेर रोड पर भारी वाहनों (ट्रक, डंपर, ट्रॉला आदि) का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यह व्यवस्था श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं यातायात के सुचारू संचालन के उद्देश्य से की गई है।

वैकल्पिक मार्ग व्यवस्था - भोपाल की ओर जाने वाले समस्त भारी वाहन हरदा से छिपानेर ब्रिज होते हुए सिवनी मालवा-धर्मकुंडी मार्ग का उपयोग करेंगे। अथवा नेशनल हाईवे होते हुए हंडिया-नेमावर-खातेगांव फाटा से नसरुल्लागंज मार्ग के रास्ते भोपाल की ओर आवागमन करेंगे।

33 डिग्री पहुंचा तापमान

ठंड गायब-गर्मी शुरू होते ही चले पंखे

अनोखा तीर, मसनगांव।

क्षेत्र में बीते दो-तीन दिनों से तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, जिससे ठंड लगभग गायब हो गई है। गर्मी का असर शुरू होते ही घरों में पंखे चलने लगे हैं। पिछले चार-पांच दिनों में अधिकतम तापमान बढ़कर करीब 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान लगभग 17 डिग्री तक पहुंच गया है। तापमान में इस वृद्धि का कारण पश्चिमी विक्षोभ को माना जा रहा है। अंचल में सुबह के समय धुंध के कारण मौसम खराब बना रहा, जबकि दोपहर में बादलों की आवाजाही से मौसम में बदलाव देखने को मिला।

कभी धूप तो कभी छांव के चलते गर्मी का असर महसूस हुआ। शाम के समय भी तापमान अधिक रहने से सर्दी लगभग समाप्त हो गई। बदलते मौसम के कारण मौसमी बीमारियां बढ़ने लगी हैं। सर्दी-गर्मी के प्रभाव से गले में खराश, सर्दी-जुकाम, बुखार और शरीर में जकड़न जैसी समस्याओं से लोग परेशान हो रहे हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी मौसम के असर के चलते मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। मौसम का असर जहां लोगों पर पड़ रहा है, वहीं खेतों में खड़ी फसलें भी प्रभावित होने लगी हैं। तेज धूप के कारण गेहूं, चना और सरसों जैसी फसलें पीली पड़कर सूखने लगी हैं। किसानों का कहना है कि यदि फरवरी के अंत तक ठंड बनी रहती तो रबी सीजन की फसलों का उत्पादन बेहतर हो सकता था, लेकिन फरवरी के दूसरे सप्ताह में मौसम में आए बदलाव से फसलें प्रभावित होने लगी हैं। जो फसलें चार दिन पहले तक हरी-भरी थीं, वे अब तेजी से पीली पड़ रही हैं। यदि ऐसा ही मौसम बना रहा तो क्षेत्र में रबी सीजन की फसलों की कटाई जल्द शुरू हो सकती है।

पीछे बोई गई फसलों पर पड़ेगा अधिक असर

क्षेत्र में इस वर्ष दो चरणों में फसलों की बुवाई की गई है। 15 नवंबर के बाद बोई गई गेहूं, चना और मक्का जैसी फसलों पर गर्मी का अधिक असर पड़ने की आशंका है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण फसलों के असमय सूखने से उत्पादन प्रभावित हो सकता है। किसान सचिन पटेल ने बताया कि आमतौर पर क्षेत्र में 15 नवंबर के आसपास रबी सीजन की बुवाई होती है। इस वर्ष कुछ किसानों ने बारिश के पानी से पहले बुवाई की थी, जबकि जिन किसानों के खेत तैयार नहीं थे, उन्होंने 15 नवंबर के बाद फसलें बोईं। ऐसे में यदि धूप और तेज हुई तो फसलों पर विपरीत असर पड़ सकता है और उत्पादन में गिरावट की संभावना बनी हुई है।

एकलव्य विद्यालय की प्राचार्य का तबादला

-विद्यार्थियों के विरोध के बाद मध्यप्रदेश से उत्तरप्रदेश भेजा गया

अनोखा तीर, हरदा। हरदा जिले के रहटगांव स्थित एकलव्य विद्यालय की प्राचार्य सोनिया आनंद का तबादला कर दिया गया है। उन्हें मध्यप्रदेश से उत्तरप्रदेश के सोनभद्र जिले के पीपरखंड भेजा गया है। जनजातीय कार्य मंत्रालय के ज्वाइंट कमिश्नर विपिन कुमार ने यह तबादला आदेश जारी किए हैं। यह तबादला विद्यार्थियों द्वारा की गई शिकायत और विरोध प्रदर्शन के बाद हुआ है। 17 जनवरी की सुबह करीब 300 से अधिक छात्र-छात्राएं स्कूल की बाउंड्रीवॉल फांदकर कलेक्टर सिद्धार्थ जैन से मिलने हरदा के लिए पैदल निकल पड़े थे। छात्रों के पैदल मार्च की सूचना मिलने पर कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ग्राम सोडलपुर के पास रास्ते में ही उनसे मिले और उनकी समस्याएं सुनीं।

हेल्प लाईन नंबर

सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	112
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
चाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

परीक्षाओं के बीच बिजली कटौती से बढ़ा असंतोष, विद्यार्थी तनाव में

अनोखा तीर, सिराली। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले एक पखवाड़े से लगातार हो रही बिजली कटौती ने नागरिकों और विद्यार्थियों की परेशानी बढ़ा दी है। विद्युत विभाग द्वारा मेंटेनेंस और सुधार कार्य के नाम पर कभी घोषित तो कभी अघोषित कटौती की जा रही है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि विगत माह ही विद्युत वितरण केंद्र पर बड़े क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लगाए जाने की जानकारी विभाग द्वारा दी गई थी, ताकि विद्युत आपूर्ति बेहतर हो सके। इसके बावजूद उपभोक्ताओं को सुचारू बिजली नहीं मिल पा रही है। नागरिकों का कहना है कि भारी-भरकम बिलों की सख्ती से वसूली के बाद भी बार-बार की कटौती से काम-धंधे और रोजगार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इधर कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 10 फरवरी से प्रारंभ हो चुकी हैं। ऐसे में दिन और रात में घंटों बिजली गुल रहने से विद्यार्थियों की पढ़ाई और रिवीजन प्रभावित हो रहे हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि परीक्षा के महत्वपूर्ण समय में हो रही कटौती उनकी तैयारी में बाधा बन रही है, जिससे वे मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। नगर और क्षेत्र में बार-बार बन रही ब्लैकआउट जैसी स्थिति से शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में असंतोष फैल रहा है। विद्यार्थियों ने आशंका जताई है कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो इसका असर उनके परिणामों पर पड़ सकता है। इस संबंध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संयोजक मनल अग्रवाल सहित विद्यार्थियों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में बिजली कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। वहीं विद्युत विभाग के सहायक प्रबंधक योगेश गौर ने बताया कि शनिवार शाम 4 बजे सिटी ब्रस्ट के दौरान करंट ट्रांसफार्मर जल जाने से समस्या उत्पन्न हुई थी। सुधार कार्य पूर्ण कर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई है। विभाग के अनुसार तकनीकी कारणों से बाधा आई थी, जिसे दुरुस्त कर लिया गया है।

किशोर बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है उमंग स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम का लक्ष्य

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। किशोर बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण के उद्देश्य से राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत उमंग स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। आयुष्मान भारत, स्वास्थ्य विभाग तथा शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन एवं सहयोग से शासकीय माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

इस प्रशिक्षण में जिले के माध्यमिक स्कूल शिक्षकों को आरोग्य दूत के रूप में कक्षा 6, 7 तथा 8 के लिए निर्धारित जीवन कौशल शिक्षा संबंधी मॉड्यूल के आधार पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों की किशोरावस्था, पोषण आहार, नशामुक्ति, मानसिक स्वास्थ्य, लिंग आधारित भेदभाव सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण में राजेंद्र कुमार ठाकुर, जितेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, हेमंत पटेल, सोनू जैन, कृतिका गोस्वामी, शक्ति गोस्वामी और मनीषा वानखेड़े ने प्रशिक्षक की भूमिका निभाई। प्रशिक्षण के तृतीय चरण के समापन अवसर पर शिक्षा विभाग से एपीसी विनोद केरकेट्टा, प्रदीप चौहान, बलवंत सिंह राजपूत और डाइट प्रभारी संजय भट्ट उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे शिक्षकों को मार्गदर्शन देते हुए विद्यार्थियों के हित में संचालित उमंग कार्यक्रम की सराहना की और इसे उनके जीवन के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है। संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम की संचालन व्यवस्था जन मंगल संस्थान द्वारा की गई। संस्था की ओर से परियोजना प्रभारी अर्चना नागेश्वर और कपिल चौरसिया के मार्गदर्शन में उमंग स्वास्थ्य केंद्र के परामर्शदाता ईश्वर विश्नोई, शुभम संतोरे, रितेश कुशवाहा, सतीश वर्मा तथा संस्था के राजेश सरेआम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संपादकीय

शब्दों का फेर या कूटनीतिक जीत?

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बहस जारी

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते का अंतिम स्वरूप में पहुंचना अभी बाकी है, लेकिन इस बीच इसके अहम बिंदुओं के नफे-नुकसान के मसले पर जो बहस चल रही है, उसके असर भी सामने आ रहे हैं। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के शुरुआती स्वरूप में कई अन्य अमेरिकी वस्तुओं सहित कुछ दालों पर भी भारत की ओर से शुल्क कम या समाप्त करने की खबर आई थी।

मगर भविष्य में भारतीय कृषि और किसानों पर इसका व्यापक असर पड़ने की आशंका जताई गई। अब अमेरिका की ओर से जारी नए तथ्य-पत्र में कई महत्त्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं और कुछ शब्दों में भी बदलाव किया गया है। मसलन, समझौते के प्रारूप में पहले जहां भारत की ओर से पांच सौ अरब डालर से अधिक मूल्य के अमेरिकी उत्पाद खरीदने को 'प्रतिबद्धता' बताया गया था।

वहीं संशोधित संस्करण में इसे खरीदने के 'इरादे' के रूप में पेश किया गया है। यानी यह नियम अब भारत के लिए बाध्यकारी नहीं होगा। इसके अलावा, संशोधन के बाद समझौते के प्रारूप में से कई कृषि वस्तुओं, खासकर दालों को इस सूची से बाहर करने की खबर है। इसके बाद स्वाभाविक ही भारतीय कृषि क्षेत्र में अमेरिका की ओर से खड़ी होने वाली प्रतिस्पर्धा से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। यों भी, भारत दालों के मामले में विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

इसी वजह से खासतौर पर दालों को किसी भी व्यापार समझौते में कृषि क्षेत्र के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दा माना जाता रहा है। हाल ही में जब दोनों देशों के बीच व्यापार

समझौते में सहमति के स्तर तक पहुंचने की खबरें आई थीं, तब अमेरिका की ओर से शुल्क अठारह फीसद करने सहित इसके सकारात्मक पहलुओं की खासी चर्चा हुई थी। मगर कृषि तथा अन्य उत्पादों के संबंध में भारत के रुख को लेकर कई तरह की चिंता भी उभरी थी।यह आशंका जताई गई कि अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों तथा अन्य वस्तुओं को भारत में निर्बाध छूट दी गई, तो यहां के कृषि क्षेत्र पर इसका व्यापक असर पड़ेगा। इसीलिए किसानों की ओर से विरोध के स्वर भी उभरे। विपक्षी दलों ने भी ऊर्जा सुरक्षा और किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया। इन उतार-चढ़ावों के बीच व्यापार समझौते के प्रारूप में अब जिन बदलावों की खबर आई है, वह भारत के लिए सकारात्मक और राहत की बात साबित हो सकती है। इसमें कोई दोराय नहीं कि भारत और अमेरिका के बीच कारोबारी साझेदारी कसौटी पर तभी उचित साबित हो सकती है, जब इसमें परस्पर और समान हित पर आधारित शर्तें शामिल हों। अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मामले में अमेरिका और भारत की स्थिति को एक समान आधार पर नहीं देखा जा सकता।इसलिए दोनों देशों के बीच होने वाले समझौते में संतुलन के कारक संदर्भों पर निर्भर करेंगे। भारत अगर अमेरिकी उत्पादों के लिए अपना बाजार बिना कोई शर्त लगाए खोलता है, तो कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिनके सामने प्रतिस्पर्धा एक चुनौती बन कर खड़ी हो सकती है। तमाम चिंता के बीच अमेरिका के साथ जारी बातचीत में भारत के कृषि क्षेत्र पर व्यापक असर पड़ने की आशंका जताई जा रही थी। अब संशोधन के बाद अगर दोनों देशों के हित को सुनिश्चित करने वाली संतुलित नीतियां आकार ले पाती हैं, तब व्यापार समझौता भारत के लिए भी लाभकारी होगा। फिलहाल समझौते की शर्तों में अमेरिका की ओर से जो बदलाव किए गए हैं, वे अब आगे की वार्ता में एक संतुलनकारी भूमिका निभा सकते हैं।

महाशिवरात्रिः धर्म, शांति और मानवता की स्थापना का पर्व

-चारु सक्सेना

महादेव शिव हिमालय से लेकर बंगाल की खाड़ी और अरब सागर तक सभी जगह व्याप्त हैं। भारत की वर्तमान सीमाओं के पार भी उनका प्रभाव है। हर श्रेणी के लोगों में वे मान्य हैं। अपने विविध रूपों, स्वरूपों और क्रिया-कलापों के कारण वे सारे संसार में व्याप्त हैं। डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी के अनुसार शिव सही अर्थों में राष्ट्रीय देवता हैं। इस महादेवता के रूप में समूचे भारत का विश्वास मूर्तिवान हुआ है। दर्शन, काव्य, नाटक, नृत्य मूर्ति, चित्र, वास्तु, संगीत जो कुछ भी भारत की श्रेष्ठ देन है, उन सब पर ही इस महादेवता का प्रभाव है। शिव ने अपने इन्हीं महान गुणों के कारण देश के पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक भारतवासियों को पिरोकर रखा है। सारा राष्ट्र इस नाम से जुड़ा है। शिव के साथ हमारे राष्ट्र का इतिहास निरंतर संबद्ध रहा है। शिव सब प्रकार से हमारी राष्ट्रीय एकता के उत्तम प्रतीक हैं। शिव में अव्यक्त और अदृश्य सृजन शक्ति अंतर्निहित है। शिव सहयोगी के रूप में सर्वमान्य हैं। वे अतुलनीय और असाधारण देवता हैं। वे सृष्टा, संरक्षक और संहारक हैं। महायोगेश्वर शिव विशुद्ध चैतन्य हैं। विशुद्ध प्रज्ञा का दूसरा नाम ही शिव है। शिव नीलकंठ के रूप में भी सर्वत्र जाने और पूजे जाते हैं। उनकी नीलकंठ के रूप में पूजा उन समस्त बलिदानियों की पूजा है, जिन्होंने मानवता की रक्षा के लिए अपने जीवन की बलि दी। शिवत्व का आदर्श यही है, स्वयं विष पीकर औरों को अमृत का भागी बनाते हैं। भूतनाथ पिशाचों से घिरे रहकर भक्तों को देवत्व प्रदान करते हैं। स्वयं दिगंबर रहकर सेवकों को दिव्यांबरधारी बनाते हैं। वे विश्वमूर्ति हैं, उनका वेश अशिव है पर वे स्वयम् शिव हैं। संसार जब असुर-अत्याचार से त्राहि-त्राहि कर उठा था तो उन्होंने त्रिपुरासुर का संहार किया पर जब आनंदोल्लास में स्वयं ने उन्मत्त होकर तांडव किया तो त्रिलोक्य कांप उठा। वे स्वयं नटराज हैं। उनके विराट उद्धाम तांडव का प्रचार तंडुमुनि नामक उनके शिष्य ने किया। भारत जिन बातों पर गर्व करता है, उनमें अधिकांश देवाधिदेव महादेव शिव से संबद्ध हैं। आज शिव की प्रासंगिकता कुछ ज्यादा ही है। सारा संसार, अधर्म, अनीति और अनाचार के कुमार्ग पर है। आज ऐसे संहारक शिव की आवश्यकता है, जो अधर्म का विनाश करके धर्म की स्थापना करे, जो अनीति से हटाकर न्याय को प्रतिष्ठित करे, जो अनाचार के बदले सदाचार पर आधारित समाज की रचना करे। आज संसार को ऐसे बलिदानियों, त्यागियों और प्राण की बाजी लगाने वाले महामानवों की जरूरत है, जो संभावित विनाश से सारी मानवता की रक्षा कर सकें। महाशिवरात्रि पर शिव के महान आदर्शों का संकल्प कर शिव की उपासना कर हम उन गुणों का स्मरण करते हैं, जिनके जीवित रहने से समाज जीवित रहता है।

महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर सारे देश के शिव मंदिरों में धर्मप्राण जनता पूजा-अर्चना करती है और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करती है। इस दिन शिव की उपासना देश के उन सारे क्षेत्रों में होती है, जहां शक्तिपीठों की स्थापना हुई है।

ये पीठ या साधना केन्द्र असम से सिंधु और कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैले हुए हैं। इस प्रकार इस पावन पर्व पर सारा राष्ट्र किसी न किसी रूप में शिव की उपासना से जुड़ जाता है। इस अवसर पर अनेक स्थानों पर शिव मेलों का आयोजन भी होता है।

महाशिवरात्रि

शुभ दिन आया बजी शहनाई,
भक्तों को बहुत-बहुत बधाई,
देखो दुल्हन सी सजी महामाई,
नज़र उतारे बार-बार मैना माई।

लाल जोड़ा चमके खनके कलाई,
विवाह गीत मधुर-मधुर देते सुनाई,
हाथों-पांवों में लाल मेहंदी लगाई,
गौरा ने पायलिया छम-छम बजाई।

बनेंगे शिव जी हिमाचल के जमाई,
बरातियों ने धमाल धम-धम मचाई,
महाशिवरात्रि की पावन तिथि आई,
बोल हरहर महादेव बम बम गुंजाई।

भक्तों ने आज आनंद खुशियां पाई,
प्रकृति भी देखो संग-संग मुस्कुराई,
देवी-देवों ने आशीष की झड़ी लगाई,
नभ से पुष्प वर्षा रिमझिम कराई।

लीला अद्भुत माँ महादेव ने दिखाई,
सारे कष्टों से मुक्ति झट-पट दिलाई,
महाशिवरात्रि की महिमा हमें बताई,
अंतस दिव्य ज्योति जगमग जगाई।

– मोनिका डागा आनंद

कला, संस्कृति और आस्था का त्रिवेणी संगम है इंदौर देव गुराड़िया का प्राचीनतम शिव मंदिर

इस की विशेषता है कि यहां प्राकृतिक जलाअभिषेक होता रहता है। हमारा आराध्य स्थल प्राचीनतम शिव मंदिर देवगुराड़िया इंदौर सिर्फ धार्मिक ही नहीं बल्कि यहां पर इतिहास, संस्कृति प्रकृति और अध्यात्म का अटूट संगम है। जहां पर इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होलकर स्वयं पूजा करती थी। इस मंदिर में पौराणिक स्थापत्यकला और राजवंशों के सहयोग से यह स्वयंभू शिवलिंग बहुत मनोहारी व आत्मिक शांति का प्रकट स्थल लगता है। मंदिर की मूल संरचना 7 वीं शताब्दी के बीच परमार वंश के शासनकाल की मानी जाती है।

- हरिहर सिंह चौहान, इंदौर

संसार में शिव सत्य भी है, सुंदर भी और साक्षात रूप में हर जगह विराजमान भी है। इंदौर शहर दो महा तीर्थों के बीच इंदौर की महारानी शिवभक्त लोक माता अहिल्याबाई होलकर के नाम से भी जाना जाता है। इसी इंदौर से 8 किलोमीटर दूर नेमावर रोड़ पर एक अखंड चट्टान पर गुटकेश्वर महादेव शिव मंदिर निर्मित है। जो शहर के प्राचीन मंदिरों में से एक माना जाता है। जिसे देवगुराडिया शिव मंदिर कहते हैं। इसे गुटकेश्वर महादेव भी कहते हैं। इस की विशेषता है कि यहां प्राकृतिक जलाअभिषेक होता रहता है। हमारा आराध्य स्थल प्राचीनतम शिव मंदिर देवगुराड़िया इंदौर सिर्फ धार्मिक ही नहीं बल्कि यहां पर इतिहास, संस्कृति प्रकृति और अध्यात्म

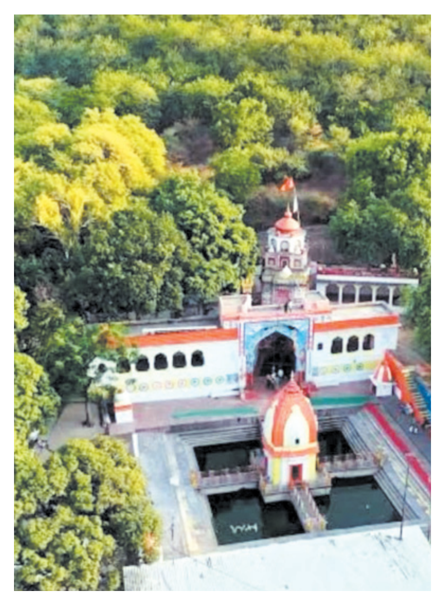

का अटूट संगम है। जहां पर इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होलकर स्वयं पूजा करती थी। इस मंदिर में पौराणिक स्थापत्यकला और राजवंशों के सहयोग से यह स्वयंभू शिवलिंग बहुत मनोहारी व आत्मिक शांति का प्रकट स्थल लगता है। मंदिर की मूल संरचना 7 वीं शताब्दी के बीच परमार वंश के शासनकाल की मानी जाती है। जिसे यहां की नक्काशी व मूर्तिकला को देखकर लगता है, मंदिर विशेष शैल वास्तुकला का जीता-जागता उदाहरण है। इस मंदिर का गर्भगृह एक गहरी चट्टान के नीचे बना हुआ है जहां गोमुख से शीतल जल धारा से शिव जी का अभिषेक हमेशा होता रहता हैं।

इस मंदिर से जुड़ी पौराणिक मान्यता है कि यहां विष्णु भगवान के वाहन पक्षीराज गरुड़ जी ने शिव जी की तपस्या की थी, जिसके कारण इस स्थान का नाम गरुड़ तीर्थ के नाम से देवगुराडिया पड़ गया। इस मंदिर में प्राकृतिक गौमुख व अमृत कुंड में जल भरा रहता है और इसी कुंड में नाग-नागिन का एक जोड़ा भी रहता है। जहां भक्तों को दर्शन मात्र से सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। इस मंदिर में महाशिवरात्रि पर मेला लगता है जो परंपरा सदियों पुरानी है। यहां सावन व अन्य उपवास व्रत में शिव भक्तो की संख्या अपार होती है। यहां प्राचीनतम शिव मंदिर शहर की भागदौड़ से दूर प्रकृति के करीब आध्यात्मिक शांति के लिए बहुत सुकून देता है।

महाशिवरात्रि पर करें भगवान् शिव की आराधना

-पं. विशाल शास्त्री

देवाधिदेव महादेव, भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए कुछ छोटे और अचूक उपायों के बारे शिवपुराण में बताया गया है, ये उपाय इतने सरल हैं कि इन्हें बड़ी ही आसानी से किया जा सकता है। हर समस्या के समाधान के लिए शिवपुराण में एक अलग उपाय बताया गया है।

ये उपाय इस प्रकार हैं-

शिवपुराण के अनुसार इन छोटे उपायों से भगवान शिव को आसानी से प्रसन्न किया जा सकता है :

- भगवान शिव को चावल चढ़ाने से धन की प्राप्ति होती है।
- तिल चढ़ाने से पापों का नाश हो जाता है।
- जौ अर्पित करने से सुख में वृद्धि होती है।
- गेहूं चढ़ाने से संतान वृद्धि होती है।
- बुखार होने पर भगवान शिव को जल चढ़ाने से शीघ्र लाभ मिलता है, सुख व संतान की वृद्धि के लिए भी जल द्वारा भगवान शिव को पूजा उत्तम बताई गई है।
- तीक्ष्ण बुद्धि के लिए शक्कर मिला दूध भगवान शिव को चढ़ाएं।
- शिवलिंग पर गन्ने का रस चढ़ाया जाए तो सभी आनंदों की प्राप्ति होती है।
- शिव को गंगा जल चढ़ाने से भोग व मोक्ष दोनों की प्राप्ति होती है।
- शहद से भगवान शिव का अभिषेक करने से रोग में आराम मिलता है।
- यदि कोई व्यक्ति शारीरिक रूप से कमजोर है तो उसे उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए भगवान शिव का अभिषेक गौमाता के शुद्ध घी से करना चाहिए।

भगवान शिव को कौन-सा फूल चढ़ाने से क्या फल मिलता है :-

- लाल व सफेद आंकड़े के फूल से भगवान शिव का पूजन करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- चमेली के फूल से पूजन करने पर वाहन सुख मिलता है।
- अलसी के फूलों से शिव का पूजन करने पर मनुष्य भगवान विष्णु को प्रिय होता है।
- शमी वृक्ष के पत्तों से पूजन करने पर मोक्ष प्राप्त होता है।
- शिव को प्रसन्न करने के लिए डमरू जरूर बजाएं और बम-बम भोले बम-बम भोले कहने से कृपा मिलेगी।
- जूही के फूल से भगवान शिव का पूजन करें तो घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती।
- कनेर के फूलों से भगवान शिव का पूजन करने से नए वस्त्र मिलते हैं।
- हार श्रृंगार के फूलों से पूजन करने पर सुख-सम्पत्ति में वृद्धि होती है।
- धतूरे के फूल से पूजन करने पर भगवान शंकर सुयोग्य पुत्र प्रदान करते हैं, जो कुल का नाम रोशन करता है।
- लाल डंठलवाला धतूरा शिव पूजन में शुभ माना गया है।
- दूर्वा से भगवान शिव का पूजन करने पर आयु बढ़ती है।

स्तुतियों से भी करें शिव आराधना

- शिव सहस्त्रनामावली का पाठ करें।

शिव की सबसे प्रचलित स्तुति है-

कर्पूर गौरं करुणावतारं संसार सारं भुजगेन्द्र हारं
सदा वसन्तं हृदयारवृन्दे भवं भवानी सहितं नमामि !!

- 21 बिल्वपत्रों पर चंदन से नम : शिवाय लिखकर शिवलिंग पर चढ़ाएं, इससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी।
- शिवलिंग पर केशर मिला दूध चढ़ाने से विवाह कार्य में आ रही बाधा दूर होती है।
- नंदी (बैल) को हरा चारा खिलाएं। इससे जीवन में - राजा महाराजा जैसी सुख-समृद्धि आएगी और मन प्रसन्न रहेगा।
- गरीबों को भोजन कराएं, इससे आपके घर में कभी अन्न की कमी नहीं होगी तथा पितरों की आत्मा को शांति मिलेगी।
- सुबह जल्दी उठकर स्नान के बाद शिव मंदिर में भगवान शिव का जल से अभिषेक कर उन्हें काले तिल अर्पित करें तत्पश्चात मन ही मन में नम : शिवाय मंत्र का जप करें। इससे मन को शांति मिलेगी।
- किसी नदी या तालाब जाकर ऊँ नम : शिवाय का जप करते हुए आटे की गोलियां मछलियों को खिलाएं, यह धन प्राप्ति का बहुत ही सरल उपाय है।
- भगवान शिव को प्रसाद का भोग लगाना चाहिए। इसके बाद धूप, दीप से आरती करें। प्रसाद को गुरुजनों, बुजुर्गों और परिवार, मित्र सहित ग्रहण करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जप 108 बार करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। शिवलिंग पर गाय का कच्चा दूध चढ़ाने से भगवान शिव की कृपा आप पर हमेशा बनी रहेगी।
- इस दिन द्वादश ज्योतिर्लिंग मंत्र का पाठ करते हैं तो भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं।
- महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करते हैं तो माँ दुर्गा आपके रोग और ग्रह के दोष को नष्ट कर देती है।
- नम : शिवाय जपते हैं तो भगवान शिव स्वयं प्रसन्न होते हैं।

इंसान गोल-गोल चक्रव्यूह में घूम रहा...

इंसान ने समय बचाने के लिए मशीनें तो बना लीं, पर उन मशीनों ने इंसान की फुरसत के आखिरी कतरे को भी अपनी बैटरी चार्ज करने में खर्च कर दिया। ये विडंबनाएं तब और भी हास्यास्पद हो जाती हैं, जब हम देखते हैं कि किस तरह 'स्वस्थ रहने' की चाहत सिर्फ एक 'स्टेटस सिंबल' या हैसियत का प्रतीक बन गई है। शरीर को साधने की क्रियाओं के लिए जहां वक्त का अकाल पड़ा है, वहीं स्क्रीन पर नाचती हुई मनोरंजन की दुनिया के लिए रातों की नींद कुर्बान है। माता-पिता का हाल जानने के लिए जब कंठ सूखने लगता है, तब उसे 'व्यस्तता' का नाम दे दिया जाता है, लेकिन उसी वक्त किसी बेतुकी बहस या निरर्थक वीडियो के लिए घंटों की उपलब्धता एक रहस्यमयी पहेली बन जाती है।

सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

आज के दौर का सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि आदमी ने रोशनी की रफ्तार से भागना सीख लिया है, पर वह पहुंच कहां रहा है, यह पूछने की जहमत कोई नहीं उठाता। पुराने जमाने में जब बैलगाड़ियां पगडंडियों पर रेंगती थीं, तब लोगों के पास एक-दूसरे के दुख-सुख बांचने की असीम फुरसत थी।

आज की चमचमाती सड़कों पर फर्राटा भरते वाहन दूरियों को निगल चुके हैं, फिर भी हर चेहरे पर एक अजीब हताशा है, जैसे कोई अदृश्य दैत्य उनकी घड़ियों की सुइयां चुरा ले गया हो। यह आधुनिकता का वह तिलिस्म है, जहां यात्राएं छोटी हो गईं, पर गंतव्य और धुंधला होता गया। यह विकास की वह ऊंचाई है, जहां आक्सीजन तो भरपूर है, पर आदमी को सांस लेने की मोहलत नहीं है।

इतिहास गवाह है कि कभी संयुक्त परिवारों की चौपालों पर बारह-पंद्रह लोगों की बैठकें जमती थीं और किस्से खत्म होने का नाम नहीं लेते थे। आज के 'स्मार्ट' दौर में घर संकुचित होकर दो कमरों के फ्लैट में सिमट गए हैं, फिर भी सन्नाटा ऐसा कि दीवारें भी आपस में बात नहीं करतीं। यह विडंबना ही है कि जब संदेश भेजने के लिए कबूतरों या डाकियों का इंतजार होता था, तब रिश्तों में गर्माहट थी। अब जब

पलक झपकते ही खबर दुनिया के दूसरे कोने तक पहुंच जाती है, तब दिलों की दूरी मीलों लंबी हो गई है।

तकनीक ने हमें वह 'जादुई आईना' तो दे दिया, जिसमें हम सात समंदर पार का चेहरा देख सकते हैं, लेकिन बगल की कुर्सी पर बैठे इंसान की खामोश चीख सुनने की फुरसत का एक भी लम्हा हमारे पास शेष नहीं रहा। आज के नवयुवक, जो अपनी अंगुलियों पर पूरी दुनिया नचाने का दावा करते हैं, उनकी कार्यकुशलता देखकर साक्षात विधाता भी चकरा जाएं। एक हाथ से तेज रफ्तार गाड़ी का नियंत्रण और दूसरे हाथ से आभासी दुनिया की खिड़कियों पर अंगुली चलाना- यह कोई करतब नहीं, बल्कि उस 'तनाव' का प्रमाण है, जो आज की मुद्रा बन चुका है।

सड़क के जाम में फंसे लोग जब अपनी निजी लेन बनाने की कोशिश में दूसरों को कुचलने पर उतारू होते हैं, तो लगता है, जैसे वे किसी गंभीर शोध कार्य के अंतिम चरण में हों। असलियत में वे बस उस काल्पनिक दौड़ का हिस्सा हैं, जिसका कोई 'अंतिम बिंदु' नहीं है। उनकी व्यस्तता उस गुब्बारे की तरह है, जो फूला तो बहुत है, पर अंदर सिर्फ खाली हवा है।

पुराने समय में बैंक के बाहर कतारों में खड़े होकर लोग गांव-जवार की राजनीति से लेकर मानसून तक की चर्चा कर लेते थे। अब जब सब कुछ जेब में रखे उस काले शीशे के टुकड़े में समा गया है, तब इंसान के पास खुद से बात करने का भी अवसर नहीं बचा। अस्पतालों की जांच रपटें अब ईमेल पर तैरती हुई आती हैं, पर उन्हें गौर से देखने का धीरज गायब है।

इंसान ने समय बचाने के लिए मशीनें तो बना लीं, पर उन मशीनों ने इंसान की फुरसत के आखिरी कतरे को भी अपनी बैटरी चार्ज करने में खर्च कर दिया। ये विडंबनाएं तब और भी हास्यास्पद हो जाती हैं, जब हम देखते हैं कि किस तरह 'स्वस्थ रहने' की चाहत सिर्फ एक 'स्टेटस सिंबल' या हैसियत का प्रतीक बन गई है। शरीर को साधने की क्रियाओं के लिए जहां वक्त का अकाल पड़ा है, वहीं स्क्रीन पर नाचती हुई मनोरंजन की दुनिया के लिए रातों की नींद कुर्बान है।

माता-पिता का हाल जानने के लिए जब कंठ सूखने लगता है, तब उसे 'व्यस्तता' का नाम दे दिया जाता है, लेकिन उसी वक्त किसी बेतुकी बहस या निरर्थक वीडियो के लिए घंटों की उपलब्धता एक रहस्यमयी पहेली बन जाती है। यह समय का वह असंतुलन है, जिसे ब्रह्मांड का कोई भी गणितज्ञ नहीं सुलझा सकता। हमने दुनिया को तो मुट्ठी में कर लिया, पर अपनी रूह को ही कहीं छोड़ आए।

भीड़ में रहकर भी खुद को एकांत में समझना और अकेले होने पर शोर की तलाश करना- यह आज की पीढ़ी का स्थायी भाव है। मित्रों के साथ कैफे में बैठे युवक-युवतियों को देखा जा सकता है, उनके शरीर वहां मौजूद हैं, पर चेतना कहीं और 'लाग-इन' है।

प्रकृति की गोद में बैठने या किताबों के पन्नों में खो जाने की जगह अब रंगीन तस्वीरों की चमक ने ले ली है। जिस सुकून को पाने के लिए इंसान ने इतनी भाग-दौड़ की, वह उसी दौड़ की भेंट चढ़ गया। यह उस उपभोक्तावादी संस्कृति का चरमोत्कर्ष है, जहां हमें 'खालीपन' से डर लगता है।

हम खाना खाते समय भी स्वाद का अनुभव नहीं करते, बल्कि यह देखते हैं कि प्लेट की तस्वीर कितनी लुभावनी आई है। नींद की कमी और मानसिक तनाव का रोना रोने वाला समाज दरअसल उसी 'डिजिटल नशे' की गिरफ्त में है, जो उसे यह एहसास दिलाता है कि वह बहुत महत्त्वपूर्ण काम कर रहा है, जबकि वह सिर्फ एक चक्रव्यूह में गोल-गोल घूम रहा है।

सच तो यह है कि दुनिया जितनी करीब आई, इंसान उतना ही खुद से बिछुड़ गया। तकनीक ने हमें पंख तो दिए, पर आसमान छीन लिया। हम अपनी व्यस्तता का ढिंढोरा इसलिए पीटते हैं, ताकि हमें अपनी तन्हाई का चेहरा न देखना पड़े। जब तक हम उस छोटी-सी स्क्रीन से बाहर नहीं निकलेंगे, हम समय के उस महासागर को कभी नहीं देख पाएंगे जो हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। जीवन भागने में नहीं, बल्कि ठहरकर उस ठहराव को महसूस करने में है।

सार-समाचार

टंट्या मामा प्रतिमा घोटाला

बयान दर्ज, जांच ने पकड़ी रफ्तार, जांच की आंच में नगर पालिका

अनोखा तीर, खरगोन। बिस्टान नाका तिराहे पर स्थापित महान क्रांतिकारी टंट्या मामा भील की प्रतिमा को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि नगर पालिका परिषद नगर पालिका परिषद खरगोन ने संगमरमर या धातु की प्रतिमा की जगह फायबर की प्रतिमा लगाकर लाखों रुपए का खर्च दिखा दिया। इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है

और 12 फरवरी को शिकायतकर्ता सुभाष डावर ने अपने कथन में बताया कि वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के दौरे के दौरान तिराहे का नाम टंट्या मामा भील के नाम पर रखने की घोषणा हुई थी। बाद में 15 नवंबर 2025 को करीब 9.90 लाख की लागत से प्रतिमा का अनावरण किया गया, लेकिन आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार प्रतिमा धातु या संगमरमर की नहीं बल्कि फायबर की निकली। शिकायत में 55 पन्नों के दस्तावेज पेश किए गए हैं जिनमें बिल, विवरण और समाचार कटिंग शामिल हैं। आरोप है कि अधिकारियों ने मीडिया में भी प्रतिमा स्थापना की पुष्टि की, पर सामग्री की गुणवत्ता पर सवालों के जवाब नहीं दिए। आदिवासी संगठन जयस ने इसे समाज की भावनाओं से खिलवाड़ बताया। संगठन पदाधिकारियों का कहना है कि यदि धातु या संगमरमर की प्रतिमा स्वीकृत थी तो फायबर की स्थापना सीधे-सीधे वित्तीय अनियमितता और अपमान का मामला है।

पुलिस जांच में क्या सामने आएगा?

पुलिस का कहना है कि शिकायत और दस्तावेजों के आधार पर तथ्य जुटाए जा रहे हैं। बयान दर्ज होने के बाद जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच होगी। यदि आरोप सही पाए गए तो एफआईआर दर्ज होने से भी इनकार नहीं किया जा रहा।

वोकेशनल कॉलेज में मनाई गई स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती

अनोखा तीर, खंडवा। पूनमचंद गुप्ता वोकेशनल कॉलेज में स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती के अवसर पर गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके जीवन, आदर्शों और समाज सुधार में दिए गए योगदान से अवगत कराना था। इस अवसर पर बीएड,

डीएड और बीए के छात्र-छात्राओं लक्ष्मी नारायण, स्वाति, नमन और करीना ने प्रेरक उद्बोधन दिए। उन्होंने स्वामी दयानंद सरस्वती के शिक्षा, सामाजिक सुधार और वैदिक मूल्यों के प्रसार में योगदान पर प्रकाश डाला। सहायक प्राध्यापक परिणीता जायसवाल और अनमोल राज मरेले ने भी स्वामी दयानंद के जीवन-वृत्त पर विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन आंचल पाटिल और पूजा कठौतिया ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन नंदिनी ठाकुर ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिशु नगरी कार्यक्रम आयोजित किया गया

अनोखा तीर, खंडवा। विद्या भारती मालवा प्रांत के मार्गदर्शन में शनिवार को वैकुंठ नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में खंडवा विभाग का शिशु नगरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न शिशु मंदिरों के नन्हे विद्यार्थी, प्राचार्य, प्रधानाचार्य एवं आचार्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य भैया-बहनों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना

था। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। शिशु विभाग के अंतर्गत संचालित 12 शैक्षिक आयामों की जानकारी दी गई। साथ ही फूड जोन में फलों से निर्मित विविध सामग्री आकर्षण का केंद्र रही। प्रांतीय अधिकारी संतोष विश्वकर्मा ने कहा कि शिशु वाटिका भारतीय शिक्षा पद्धति पर आधारित है, जो आध्यात्मिक ज्ञान से विकसित हुई है। छोटी-छोटी गतिविधियों से बच्चों में कला और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है। अंजली जैन ने पंचकोशात्मक विकास और बाल शिक्षा के महत्व पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सत्यनारायण लववंशी, वैशाली पंवार सहित विभिन्न विद्यालयों के पदाधिकारी, प्राचार्यगण और बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

लायन्स क्लब ने शुरू किया गुड टच-बैड टच जागरूकता सप्ताह

अनोखा तीर, खंडवा। लायन्स क्लब खंडवा द्वारा गुड टच-बैड टच जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ महारानी लक्ष्मीबाई कन्या शाला में आयोजित कार्यशाला से किया गया। कार्यक्रम लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-1 के मार्गदर्शन में अध्यक्ष आशा उपाध्याय, सचिव ओमप्रकाश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष पवन लाड़ के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। संयोजक नारायण बाहेती ने बताया कि कार्यशाला में मोघट थाना के टीआई धारवाल, मोटिवेशनल स्पीकर मोना दफ्तरी और भारती पाराशर ने बालिकाओं को संबोधित किया। वक्ताओं ने छात्राओं को सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श की पहचान कर सजग रहने की सीख दी। टीआई धारवाल ने कहा कि किसी भी अनुचित स्पर्श की जानकारी तुरंत माता-पिता, शिक्षक या पुलिस को देना चाहिए, ताकि समय रहते कार्रवाई हो सके। मोना दफ्तरी ने आत्मविश्वास बनाए रखने और गलत स्पर्श का विरोध करने के लिए प्रेरित किया। हेमलता पालीवाल ने छात्राओं को व्यक्तिगत सुरक्षा और जागरूकता का महत्व समझाया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यालय स्टाफ, लायन और लियो सदस्य उपस्थित रहे। संचालन नारायण बाहेती ने किया तथा आभार प्रतिमा अरोरा ने व्यक्त किया।

महाशिवरात्रि आज : नगर के प्राचीन मंदिरों में भक्ति और उल्लास से मनेगा महोत्सव

आज मंदिरों में गूंजेगा 'हर-हर महादेव'

● हल्दी-मेंहदी से सजे नंदेश्वर महादेव ● पूर्व संध्या पर हुई शिव विवाह की रस्म ● नगर में स्थित चारों कुंडों का ऐतिहासिक महत्व

अनोखा तीर, खंडवा।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आज खंडवा और ओंकारेश्वर क्षेत्र पूरी तरह शिवमय हो गया है। लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं, वहीं मंदिरों में भव्य सजावट, अनुष्ठान और सांस्कृतिक आयोजनों की श्रृंखला से पूरा अंचल हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा है।

● **16 फरवरी तक भारी वाहनों का रूट डायवर्ट-** ओंकारेश्वर में नर्मदा स्नान और ज्योतिर्लिंग दर्शन के लिए उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ऋषव गुप्ता ने 14 फरवरी सुबह 6 बजे से 16 फरवरी रात्रि 12 बजे तक खंडवा-इंदौर मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध के आदेश जारी किए हैं। बुरहानपुर-खंडवा से इंदौर जाने वाले भारी वाहन देशगांव से खरगोन वाया कसरावद-खलघाट-महू होकर इंदौर जाएंगे। इंदौर से खंडवा-बुरहानपुर की ओर आने वाले वाहन महू से खलघाट-कसरावद-खरगोन वाया भीकनगांव-देशगांव मार्ग से संचालित होंगे। दुग्ध वाहन, स्वास्थ्य सेवाएं, पुलिस, फायर ब्रिगेड, पानी के टैंकर, आर्मी, विद्युत प्रदाय, एलपीजी-पेट्रोलियम वाहन, सब्जी वाहन व यात्री बसों को प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है।

● **नंदेश्वर महादेव मंदिर : हल्दी-मेंहदी से सजे भोलेनाथ-** जसवाड़ी रोड स्थित नंदविहार कॉलोनी के नंदेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर शिव विवाह की पारंपरिक रस्म निभाई गई। महिला श्रद्धालुओं ने भगवान को हल्दी-मेंहदी अर्पित कर मंगलगीत गाए।

● **प्रात:काल जलाभिषेक-** दोपहर में विशेष अभिषेक (पं. शुभम साध के मंत्रोच्चार के साथ) शाम 7 बजे महाआरती, नेपाल से आए अभिमंत्रित रुद्राक्ष का वितरण, रात्रि 9 बजे संगीतमय सुंदरकांड, मध्यरात्रि विशेष आरती, मंदिर समिति ने भीड़ प्रबंधन, जल और स्वच्छता की समुचित व्यवस्था की है।

● **पदमेश्वर महादेव मंदिर : भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक-** पदम नगर स्थित पदमेश्वर महादेव मंदिर में कई दिनों से चल रहे महोत्सव में भजन संध्या, हल्दी-मेहंदी रस्म, तुलादान और भोले की बारात जैसे आयोजन हुए। चौहान परिवार द्वारा मनोकामना पूर्ण होने पर तुलादान, बच्चों ने शिव-पार्वती की वेशभूषा में मन मोह लिया, विभिन्न समाजों द्वारा बारात का स्वागत, महाशिवरात्रि पर प्रातः 4 बजे से रुद्राभिषेक और खीर प्रसाद वितरण किया, यह महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपरा का जीवंत उदाहरण बन गया है।

● **कंठेश्वर महादेव मंदिर : महिला मंडल का भक्तिमय आयोजन-** सम्मति नगर स्थित कंठेश्वर महादेव मंदिर में श्रीमती हेमलता पालीवाल के मार्गदर्शन में हल्दी, मेहंदी और महिला संगीत का आयोजन हुआ। मातृशक्ति ने भजनों और नृत्य प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

चारों कुंडों का ऐतिहासिक महत्व

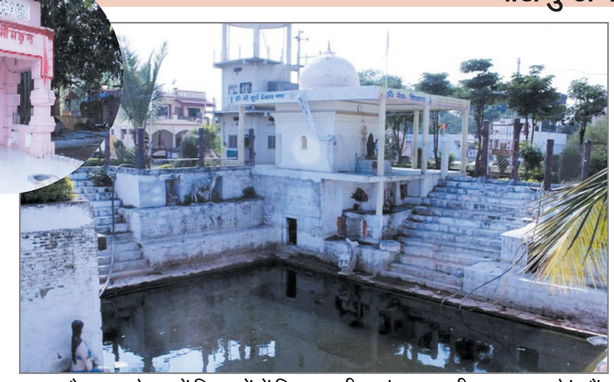

समाजसेवी सुनील जैन के अनुसार खंडवा प्राचीनकाल में खांडव वन के नाम से विख्यात रहा है। नगर के चारों दिशाओं में स्थित प्राचीन कुंड आज भी आस्था का केंद्र हैं :-

● **सूरजकुंड (पूर्व)** – जहां सूर्य की प्रथम किरण पड़ती है। ● **पदमकुंड (पश्चिम)** – कमल व पद्मावती देवी से जुड़ा इतिहास। ● **रामेश्वर कुंड (उत्तर)** – श्रीराम द्वारा बाण चलाकर जल प्रकट करने की मान्यता। ● **भीमकुंड (दक्षिण)** – पांडव काल में भीम द्वारा स्थापित शिवलिंग। इन धरोहरों को पर्यटन स्थल घोषित कर सौंदर्यीकरण की मांग भी उठी है।

ओंकारेश्वर में महादेव महोत्सव- तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर के नागरघाट पर 15 फरवरी सायं 6 :30 बजे संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा महादेव महोत्सव आयोजित होगा। सुश्री मनीषा हरीवल्लभ शास्त्री – निमाड़ी लोकगायन, सुश्री नंदिनी सावनेर – शिव केंद्रित नृत्य नाटिका, आदित्य नारायण परसाई – भक्ति गायन, यह आयोजन शिव-साधना और लोकसंस्कृति का अनुपम संगम बनेगा।

आस्था, व्यवस्था और उत्सव का संगम- महाशिवरात्रि पर खंडवा और ओंकारेश्वर में जहां एक ओर प्रशासन सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर सतर्क है, वहीं दूसरी ओर मंदिरों में भक्तिभाव, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सामाजिक सहभागिता इस पर्व को ऐतिहासिक बना रही है। चारों ओर गूंजते हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के बीच यह पर्व श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक एकता का संदेश दे रहा है। भोलेनाथ की नगरी खंडवा इन दिनों पूर्णत: शिवमय हो उठी है।

रक्तदान शिविर में कुल 41 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया

अनोखा तीर, खंडवा। दिव्योदया पास्टरल सेंटर में खंडवा डायोसिस सोशल सर्विसेज द्वारा शनिवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 41 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। केडीएसएस के निर्देशक फादर रॉबिंसन ने बताया कि खंडवा डायोसिस संस्था द्वारा जिला चिकित्सालय खंडवा के सहयोग से हर वर्ष तीन बार रक्तदान शिविर आयोजित किया जाता है। शिविर में केडीएसएस के अध्यक्ष बिशप अगस्टिन मठत्तिकुन्नेल ने जिला रक्तदान बैंक से रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। शिविर में स्वयं संस्था के सहायक फादर्स, सिस्टर्स तथा अन्य सदस्यों ने भी रक्तदान किया। शिविर में जिला चिकित्सालय खण्डवा की टीम जिसमें डॉ. सखाराम, लैब टेक्नीशियन जागृति चौरे एवं काउंसलर पूजा रायकवार ने अपनी सेवाएं दी।

ओंकारेश्वर में मुंबई से आए युवक को होमगार्ड जवानों ने डूबने से बचाया

अनोखा तीर, खंडवा। शनिवार को ओंकारेश्वर में मुंबई के कल्याण से आये युवक धनराज पिता छतरू उम्र 17 वर्ष ब्रह्मपुरी घाट पर स्नान करने के लिए गए, जहां स्नान हेतु निर्धारित स्थान से हटकर प्रतिबंधित स्थान पर जाकर नहाते समय अचानक गहरे पानी में डूबने लगे। शोर होने पर घाट पर तैनात होमगार्ड सैनिक टुकड़ा मातरे, सेवक परिहार, हरिराम सोलंकी एवं नाव चालक राहुल परसर ने तुरंत लाइफजैकेट के साथ पानी में जाकर युवक को बाहर निकाला, जिससे युवक की जान बचाई जा सकी। युवक धनराज की जान बचाने के लिए परिवारजनों द्वारा होमगार्ड और एस.डी.ई.आर.एफ. जवानों का आभार प्रकट किया गया। होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट आशीष कुशवाहा ने बताया कि शिवरात्रि पर ओंकारेश्वर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु लगातार आ रहे है।

गुड़ी क्षेत्र में अवैध शराब और खनन का बढ़ता प्रभाव

अनोखा तीर, खंडवा/गुड़ी। आदिवासी अंचल के रूप में पहचाने जाने वाले गुड़ी क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार तेजी से फैल रहा है। क्षेत्र में शराब और खनन माफियाओं की सक्रियता से हालात चिंताजनक बने हुए हैं। राजनीतिक संरक्षण के आरोपों के बीच नियम-कानून बेअसर नजर आ रहे हैं, जिससे ग्रामीणों का जीवन प्रभावित हो रहा है। खंडवा तहसील और पंधाना विधानसभा क्षेत्र में आने वाले कई गांव बुरहानपुर जिले की सीमा से लगे हैं, जबकि कुछ गांव हरसूद तहसील के निकट स्थित हैं।

एक दर्जन से अधिक गांव वन क्षेत्र के आसपास बसे हैं। यहां आदिवासी, विशेषकर कोरकू समाज की आबादी अधिक है। इसके बावजूद अवैध शराब के बढ़ते कारोबार ने कई परिवारों को आर्थिक और सामाजिक संकट में डाल दिया है। कई गांवों में शराब खुलेआम बिक रही है, जिससे युवाओं में लत बढ़ती जा रही है। आबकारी अधिनियम 1915 के प्रावधानों के तहत ग्राम पंचायतों को अपने क्षेत्र को पूर्णतः शराब मुक्त घोषित करने का अधिकार है। पंचायतें शराब की बिक्री, सेवन, निर्माण और परिवहन पर रोक लगा सकती हैं तथा उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान भी है।

बावजूद इसके, क्षेत्र में इन अधिकारों का प्रभावी उपयोग नहीं हो पा रहा है। शराब के साथ ही अवैध खनन भी बड़ी समस्या बनता जा रहा है। नदी-नालों में अवैध उत्खनन से पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है और मार्गों के आसपास गहरी खाइयां बन रही हैं, जो हादसों का कारण बन सकती हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभागों से कार्रवाई की मांग की है।

अवैध शराब, यातायात उल्लंघन और वारंट तामील में कार्रवाई

अनोखा तीर, खंडवा। जिले में पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाते हुए तीन आरोपियों पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। थाना जावर पुलिस ने धरमपुरी निवासी राकेश बलाही के कब्जे से 18 पाव देशी शराब जब्त की। थाना मूंदी पुलिस ने उटड़ी निवासी नारायण उर्फ हेमेंद्र मालवीय से 7 लीटर कच्ची महुआ शराब तथा थाना मांधाता पुलिस ने गूंजली निवासी इंदर निहाल से 16 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब बरामद की। सभी के विरुद्ध धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। 13 फरवरी 2026 को यातायात थाना एवं समस्त थाना प्रभारियों ने नियमों का उल्लंघन करने वाले 27 वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की। बिना नंबर प्लेट, तीन सवारी, बिना हेलमेट, सीट बेल्ट न लगाने, तेज गति, बिना एचएसआरपी और बिना वैध बीमा जैसे मामलों में कुल 12 हजार 800 रुपए समन शुल्क वसूल किया गया। उप पुलिस अधीक्षक यातायात ने नागरिकों से नियमों का पालन करने की अपील की है।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत 16 फरवरी से संकुल स्तर पर शिविर आयोजित होंगे

अनोखा तीर, खंडवा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर राज्य सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र लोगों को दिलाने के लिए प्रदेश में इन दिनों संकल्प से समाधान अभियान प्रारम्भ किया गया है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि इस अभियान के तहत जिले की ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में नागरिकों से सम्पर्क कर आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि संकल्प एवं समाधान अभियान का प्रथम चरण 15 फरवरी को समाप्त हो रहा है। प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों का द्वितीय चरण में संकुल स्तर में शिविर आयोजित कर निराकरण किया जाएगा तथा हितग्राहियों को सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ वितरण भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि द्वितीय चरण 16 फरवरी, से प्रारंभ होकर 16 मार्च तक जारी रहेगा। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी एसडीएम, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्धारित कार्यक्रम अनुसार संकुल स्तर पर शिविर आयोजित कर नागरिकों की समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश भी दिए हैं।

15 व 16 फरवरी को नर्मदा नदी में जलप्रवाह नियमित रखने के आदेश जारी

अनोखा तीर, खंडवा। महाशिवरात्रि पर्व पर 15 फरवरी को ओंकारेश्वर में नर्मदा स्नान एवं ज्योतिर्लिंग दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना रहती है। अतः कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ऋषव गुप्ता ने महाशिवरात्रि पर्व पर एनएचडीसी के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि महाशिवरात्रि पर्व आयोजन अवधि में 14 फरवरी को सुबह 6 बजे से 16 फरवरी को रात्रि 8 बजे तक नर्मदा नदी का जलस्तर एकसमान व स्थिर रखा जाए, ताकि किसी दुर्घटना की आशंका न रहे। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि इस अवधि में अधिकतम 3 टरबाइन चालू रखी जाएं तथा रात्रिकाल में विद्युत आपूर्ति की मांग कम होने की स्थिति में 3 से कम टरबाइन भी चलाई जा सकती हैं।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण में प्रवीण शर्मा सम्मानित

अनोखा तीर, खंडवा। सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान में 2 से 14 फरवरी तक आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर न्यायपीठ बाल कल्याण समिति, खंडवा के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा को बाल संरक्षण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान जिले में सुदृढ़ बाल संरक्षण व्यवस्था स्थापित करने के प्रयासों की सराहना के रूप में प्रदान किया गया। समापन समारोह में क्षेत्रीय निदेशक रीता पटनायक, सहायक निदेशक भूपेंद्र दांडी और भवानी शंकर सालवी ने प्रमाण-पत्र प्रदान किया। अधिकारियों ने जमीनी स्तर पर नवाचार और प्रभावी कार्य को बाल अधिकार सुरक्षा की आधारशिला बताया। 12 दिवसीय प्रशिक्षण में गुजरात, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बाल कल्याण समिति अध्यक्ष व सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में किशोर न्याय प्रणाली, बाल अधिकार संरक्षण, संस्थागत और गैर-संस्थागत देखरेख पर गहन चर्चा हुई। प्रवीण शर्मा ने किशोर न्याय अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, समन्वित प्रयास, समयबद्ध सुनवाई और पुनर्वास योजनाओं की निगरानी पर प्रस्तुति दी। दत्तक ग्रहण की वैधानिक प्रक्रिया पर भी विस्तार से जानकारी दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हर बच्चे को सुरक्षा, शिक्षा और परिवार का स्नेह मिलना उसका अधिकार है।

शहर की प्राचीन गणेश प्रतिमा से गौरवान्वित प्राचीन शंकर मंदिर

महाशिवरात्रि पर उमड़ता है श्रद्धालुओं का सैलाब

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। नगर का प्राचीन शंकर मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से भी अत्यंत महत्तवपूर्ण स्थान रखता है। 9वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर अपनी विलक्षण गणेश प्रतिमा के कारण विशेष ख्याति प्राप्त करता है। यहां स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा अद्वितीय शैली में अपने आराध्य भगवान शिव की पूजा करते हुए निर्मित की गई है, जो देशभर में दुर्लभ मानी जाती है। इतिहासकारों और नगर के वरिष्ठ नागरिकों के अनुसार, यह मंदिर कभी नगर के मध्य में स्थित था और उसके सामने का क्षेत्र 'गणेशगंज' कहलाता था। यही क्षेत्र कभी प्रसिद्ध कृषि एवं औषधीय मंडी रहा करता था, जहां राजस्थान से व्यापारी आकर व्यापार करते थे। इस क्षेत्र को 'गणेशगंज' नाम इसलिए मिला क्योंकि मंदिर में स्थापित

भगवान गणेश की प्रतिष्ठा व्यापार की समृद्धि से जुड़ी मानी जाती थी। पं. अनिल शर्मा, जो दो पीढ़ियों से इस मंदिर में पूजा-अर्चना कर रहे हैं, बताते हैं कि गणेशगंज मंडी में अचार, चिरौंजी, हर्रा, बहेड़ा, आंवला, मूसली, पत्थरचट्टा और काली मिर्च जैसी औषधियों का व्यापार होता था। यह व्यापार सीधा राजस्थान से जुड़ा हुआ था और इसके पीछे भगवान गणेश की कृपा मानी जाती थी। आज भी श्रद्धालु इस मंदिर में समृद्धि और व्यापारिक उन्नति की कामना लेकर आते हैं।

शास्त्रों और ग्रंथों में भी है उल्लेख

यह मंदिर केवल जनश्रुतियों और मान्यताओं में ही नहीं, बल्कि प्राचीन ग्रंथों और धार्मिक पत्रिकाओं में भी वर्णित है। प्रसिद्ध धार्मिक पत्रिका कल्याण के 'गणेश अंक' (पृष्ठ क्रमांक 418) में इस मंदिर का उल्लेख मिलता है, जहां इसे 9वीं शताब्दी का बताया गया है। यह प्रमाण इसकी प्राचीनता और धार्मिक गरिमा को पुष्ट करते हैं।

विलक्षण है गणेश प्रतिमा

यहां की गणेश प्रतिमा एक ही विशाल शिलाखंड से तराशी गई है, जिसमें गणेशजी शिवजी की पूजा करते हुए दर्शाए गए हैं। प्रतिमा की विशेषताओं में दाहिनावर्त सूंड, चार भुजाएं, मस्तक पर चंद्रमा, रिद्धि-सिद्धि की उपस्थिति, जनेऊ, सर्प, और प्रतिमा के ऊपर मंडप का निर्माण शामिल है। ऐसी मूर्ति न केवल स्थापत्य की दृष्टि से अनोखी है, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत प्रभावशाली मानी जाती है। महात्मा परमेश्वर दास, जो पुराणों के विशेषज्ञ हैं, कहते हैं कि यह प्रतिमा भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने वाली है और यह मंदिर अपने आप में विलक्षण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण है।

धार्मिक महत्व और श्रद्धालुओं की आस्था

श्रावण सोमवार और महाशिवरात्रि जैसे पर्वों पर इस मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। नगर और दूर-दराज़ से लोग यहां शिव अभिषेक और गणेश प्रतिमा के दर्शन के लिए आते हैं। सावन के दिनों में विशेष रूप से यहां की धार्मिक ऊर्जा चरम पर होती है। मंदिर समिति के प्रमुख नरेश कलवानी, लड्डू गौर और पुजारी पं. वीरेंद्र के अनुसार, मंदिर में भक्तों के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं की जाती हैं। नियमित रूप से साफ-सफाई, अभिषेक की सामग्री, जल, प्रसाद और पंक्ति व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है।

शिवरात्रि की पूर्व संध्या माता-बहनों ने भगवान भोलेनाथ को लगाई हल्दी-मेहंदी

अनोखा तीर, सेमरी हरचंद। महाशिवरात्रि के पर्व पर क्षेत्र के मंदिरों में शिवरात्रि को लेकर रंग-बिरंगी लाइटिंग एवं फूलों से सजावट की जा रही है और श्रद्धालुओं में हर्षोल्लास का माहौल देखा जा रहा है। शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर बिजली ऑफिस स्थित शिव मंदिर में मोहल्ले की माताओं-बहनों ने एकत्रित होकर सामूहिक रूप से भगवान भोलेनाथ को हल्दी अर्पित की। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर हल्दी की रस्म को उत्सव में बनाया और शिवलिंग पर फूलों की वर्षा कर भोलेनाथ का अभिनंदन किया। मंदिर को आकर्षक रोशनी और पुष्प सज्जा से सुसज्जित किया गया।

विद्यार्थियों ने तिलक, आरती और पुष्प अर्पित कर किया माता-पिता का सम्मान

दीनदयाल कॉन्वेंट में भावनात्मक वातावरण में मनाया गया मातृ-पितृ पूजन दिवस

अनोखा तीर, बुदनी। प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी स्थानीय दीनदयाल कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में मातृ-पितृ पूजन दिवस बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक शामिल हुए, जिनका विद्यालय परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने अपने माता-पिता के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया। तिलक लगाकर, आरती उतारकर और पुष्प अर्पित कर बच्चों ने अपने माता-पिता के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त किया। इन भावनात्मक पलों में कई अभिभावकों की आंखें आनंद और गर्व से नम हो गईं। छात्र-छात्राओं ने कहा कि वैलेंटाइन-डे भारतीय संस्कृति का हिस्सा नहीं है, इसलिए विद्यालय में इस दिन को मातृ-पितृ दिवस के रूप में मनाना अधिक सार्थक है। उन्होंने कहा कि माता-पिता ही हमारे प्रथम गुरु होते हैं और जीवन में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। विद्यालय के प्राचार्य जेके त्रिपाठी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में सम्मान, समर्पण और कृतज्ञता की भावना विकसित होती

है। अभिभावकों ने भी विद्यालय की इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे बच्चों में सकारात्मक बदलाव आएगा तथा उनके मन में माता-पिता के प्रति सम्मान बढ़ेगा। सभी ने विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

सार-समाचार

रेत का परिवहन करते चार ट्रेक्टर-ट्रालियों पर कार्यवाही

क्षेत्र में जोरों पर चल रहा रेत का अवैध व्यापार

अनोखा तीर, सोहागपुर। विकासखंड क्षेत्र में अवैध रेत का करोबार करने वालों पर पुलिस और रास्जव विभाग की टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए चार ट्रेक्टर-टालियों को जप्त किया है। रेत का अवैध काम करने वाले पिछले महीनों से लगातार रेत रायल्टी के नाम पर अवैध पर्ची काट कर रेत का कारोबार कर रहे थे। शनिवार की दोपहर एसडीएम प्रियंका भल्लावी एवं एसडीओपी संजू चौहान सहित

राजस्व टीम ने रेत का अवैध करोबार करते हुए ट्रेक्टर-ट्रालियां पकड़कर खनिज विभाग को अग्रिम कार्रवाई के लिए सौंप दी है। तहसीलदार रामकिशोर झरबड़े ने बताया की दो ट्रेक्टर-ट्रालियां बमारी के पास से वहीं दो ट्रेक्टर-ट्राली तार बहार क्षेत्र से पकड़ी गई है। जिनमें दो ट्रेक्टर पर नंबर प्लेट नहीं हैं, जिन्हे माइनिंग विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है।

पुलवामा शहीद दिवस पर उमड़ा जनसैलाब

सैकड़ों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। पुलवामा हमले की बरसी पर जय हो समिति ने पुलवामा शहीद दिवस के अवसर पर मालाखेड़ी क्षेत्र में भावुक और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत माहौल देखने को मिला। सैकड़ों की तादाद में नागरिक अमर चौक पर एकत्र हुए और देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। भारत माता की जय, वंदे मातरम और शहीदों अमर रहो जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पुलवामा में शहीद हुए जवानों का बलिदान राष्ट्र कभी नहीं भूल सकता। उनका त्याग और साहस आने वाली पीढ़ियों को देशसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। श्रद्धांजलि सभा के पश्चात विशाल कैंडल मार्च (मोमबत्ती जुलूस) एवं मशाल यात्रा निकाली गई।

अमर चौक से प्रारंभ हुई यह यात्रा मालाखेड़ी चक्कर रोड तक पहुंची। हाथों में मोमबत्तियां और जलती मशालें लिए सैकड़ों नागरिक शांतिपूर्वक आगे बढ़ते रहे। यात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों की धुन और नारों से वातावरण पूरी तरह राष्ट्रमय हो गया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। युवाओं और महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी ने आयोजन को और भी प्रभावशाली बना दिया। मालाखेड़ी चक्कर रोड पहुंचने के बाद मशाल यात्रा का विधिवत समापन किया गया। अंत में सभी ने एक स्वर में राष्ट्र की एकता, अखंडता और भाईचारे को बनाए रखने का संकल्प लिया तथा शहीदों के बलिदान को सदैव स्मरण रखने की बात कही। यह कैंडल मार्च आजाद चौक मालाखेड़ी से प्रारंभ होकर विश्वकर्मा मंदिर, छोटा चौराहा होते हुए पुनः आजाद चौक पर समापन हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थितजनों ने शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सेना के पूर्व जवान सूबेदार दिनेश सिंह चौहान, हवलदार सुरेन्द्र सिंह, हवलदार दुर्गेश राजपूत, हवालदार सुनील बर्दिया, हवालदार बलवंत, सूबेदार रामेश्वर चौहान सहित समस्त देशभक्त उपस्थित रहे।

संभाग विजेता खिलाड़ियों का महाविद्यालय में जोरदार स्वागत

अनोखा तीर, माखन नगर। जिला स्तर पिट्टू प्रतियोगिता के उपरांत भोपाल संभाग अंतर्गत जिला रायसेन में संभाग स्तरीय अंतर जिला महिला-पुरुष पिट्टू प्रतियोगिता का आयोजन 11 एवं 12 फरवरी 2026 को किया गया था, जिसमें जिला नर्मदापुरम ने महिला एवं पुरुष प्रतियोगिता में परचम लहराकर दोनों ही वर्गों में विजेता होने का गौरव हासिल किया। माखननगर महाविद्यालय क्रीड़ा अधिकारी एवं जिला नर्मदापुरम टीम के कोच डॉ. राजकुमार पटवा ने बताया कि संभाग स्तरीय महिला-पुरुष प्रतियोगिता में सात- सात जिलों की टीमों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस महिला वर्ग में फाइनल मुकाबला जिला रायसेन एवं जिला नर्मदापुरम के मध्य खेला गया, जिसमें जिला नर्मदापुरम ने कड़े मुकाबले में जिला रायसेन को पराजित कर संभाग में विजेता होने का गौरव हासिल किया। वहीं प्रतियोगिता के द्वितीय दिवस पुरुष वर्ग में जिला नर्मदापुरम ने भोपाल को पराजित कर संभाग स्तरीय ट्रॉफी पर कब्जा किया। जिला नर्मदापुरम टीम मैनेजर श्रीमती मंजू मेहरा ने बताया कि महिला वर्ग में जिला नर्मदापुरम टीम में माखननगर महाविद्यालय की पांच

छात्राओं रचना, चांदनी, प्रिया, संजना यादव का श्रेष्ठ प्रदर्शन रहा और विजय श्री हासिल की। इसी तरह पुरुष वर्ग में माखन नगर महाविद्यालय के दो छात्र मनोज अहिरवार व निखिल अहिरवार ने जिला नर्मदापुरम टीम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भोपाल को पराजित कर ट्रॉफी कब्जे में कराई। प्रतियोगिता समापन उपरांत माखन नगर लौटे समस्त खिलाड़ियों का माखननगर महाविद्यालय परिवार द्वारा ऐतिहासिक स्वागत किया। दोनों ही टीमों के कप्तान ने विजेता ट्रॉफियां महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. नीता चौबे को सुपुर्द कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महाविद्यालय क्रीड़ा प्रभारी डॉ. आईएस कनेश, ग्रंथपाल अजय मेहरा, डॉ. धर्मेंद्र सिंह चौहान, डॉ. मनीष शर्मा, पंकज बेरवा, डॉ. कविता दुबे, डॉ. क्षमा मेहरा, डॉ. सुमन अवस्थी, डॉ. आकांक्षा यादव, सुश्री शिवानी मालवीय, श्रीमती सुषमा यादव, श्रीमती संध्या गोलियां, मंजेश पचलिया, अमित ठाकुर, राम विलास, अशोक पाटिल, जितेंद्र अहिरवार, अशोक मेहर सहित समस्त महाविद्यालय परिवार व समस्त विद्यार्थियों ने पुष्पवर्षा कर एवं फूल माला पहनाकर माखन नगर महाविद्यालय के कोच, मैनेजर व खिलाड़ियों का अभूतपूर्व में स्वागत किया।

सुश्री नित्या किशोरी शर्मा के संगीतमय वर्णन ने रचा इतिहास

शिव विवाह उत्सव बना आकर्षण का केंद्र

अनोखा तीर, बुदनी। तहसील के माना वार्ड क्रं 13 में चल रही श्री शिवमहापुराण कथा के पंचम दिवस पर श्रद्धा और भक्ति का अनोखा संगम देखने को मिला। इस पावन उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और वातावरण पूर्ण रूप से शिवमय हो गया। विवाह उत्सव के दौरान भक्तों द्वारा पारंपरिक वेशभूषा, नृत्य, भजन एवं उत्साह ने कार्यक्रम

अवसर पर भगवान भोलेनाथ का भव्य विवाह उत्सव अत्यंत धूमधाम और दिव्यता के साथ संपन्न हुआ। पूरा कथा स्थल हर-हर महादेव के जयघोषों से गूंज उठा। कथा वाचिका सुश्री नित्या किशोरी शर्मा बुदनी ने अपने मधुर, प्रभावशाली और आध्यात्मिक स्वर में भगवान शिव की दिव्य लीलाओं और पौराणिक प्रसंगों का सजीव वर्णन किया। उनके द्वारा सुनाई गई भावपूर्ण कथाओं ने की शोभा में चार चांद लगा दिए। आयोजन समिति ने बताया कि कथा के आगामी दिनों में और भी विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। माना और बुदनी क्षेत्र में इस कथा आयोजन ने श्रद्धालुओं में नई आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया है। लगातार बढ़ रही भक्तों की संख्या इस बात का प्रमाण है कि शिवमहापुराण की अमृतमय कथा लोगों के हृदयों में गहरा प्रभाव छोड़ रही है।

अटारी में नवीन बोर के साथ लाखों की लागत से बनेगी पानी की टंकी

अनोखा तीर, चिचोली। विकासखंड के सबसे ज्यादा पेयजल संकट से ग्रसित ग्राम अटारी में बैतूल सासंद व केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके एवं क्षेत्रीय विधायक श्रीमती गंगा सज्जनसिंह उइके के प्रयासों से लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग के माध्यम से यहां अधिकतम गहराई के नवीन बोर खनन के साथ हीं 75 हजार लीटर पानी का भंडारण करने के लिए 13 लाख 75 हजार रुपए की राशि से बनाई जाने वाली

बारंगवाड़ी में भी होगा बोर खनन कार्य

नवीन पानी की टंकी के निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है। जिसका टेंडर भी हो चुका है, इसके साथ ही ग्राम बारंगवाड़ी की नल-जल योजना फिर से व्यवस्थित प्रारंभ करने के लिए एक बोर खनन कार्य की स्वीकृति भी मिली है। यहां भी इसी सप्ताह बोर खनन किया जाएगा, ताकि गर्मी में ग्रामीणों को पानी की दिक्कत ना हो सके। उक्त जानकारी पूर्व जनपद उपाध्यक्ष शंकरराव चड़ोकार ने देते हुए ग्राम अटारी में पेयजल के कामों की स्वीकृति दिलवाने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके एवं क्षेत्रीय विधायक श्रीमती गंगा सज्जनसिंह उइके के साथ ही चिचोली मंडल अध्यक्ष अमन आवलेकर एवं महामंत्री अमनसिंह कुशवाह के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पानी का स्त्रोत खोजने पहुंची टीम : चिचोली के ग्राम अटारी के लिए स्वीकृत नवीन बोर खनन के लिए नवीन तकनीकी से पानी का स्त्रोत तलाशने पीएचई के सब इंजीनियर के साथ भूमिगत जल स्त्रोत खोजने पानी के सर्वे की एक टीम शनिवार दोपहर बाद ग्राम अटारी पहुंची थी, जिसने ग्राम में भ्रमण कर पानी का पता लगाने का प्रयास किया था। विदित हो कि ग्राम अटारी में बीते डेढ़ दशकों से पीने के पानी के लिए तमाम प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि

नगर में ब्लैक-डे पर निकला आक्रोश, उमड़ा जनसमूह

अनोखा तीर, बुदनी। नगर के महाराणा प्रताप चौराहा पर ब्लैक-डे के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा संयुक्त रूप से विशाल श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वर्ष 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद

हुए सीआरपीएफ जवानों की स्मृति को समर्पित रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक, व्यापारी एवं युवा शामिल हुए। सभी ने हाथों में मोमबत्तियां और तिरंगा लेकर शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। माहौल भारत माता की जय और वीर शहीद अमर रहें के नारों से गूंज उठा। आयोजकों ने बताया कि यह कैंडल मार्च शहीद जवानों के साहस व बलिदान को नमन करने का एक प्रयास है। सभा के बीच सभी उपस्थित जनों ने दो मिनट का सामूहिक मौन रखकर वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि पुलवामा हमला राष्ट्र की अखंडता पर हमला था, जिसे देश कभी नहीं भूल सकता। वेलेंटाइन-डे का विरोध, भारतीय संस्कृति के संरक्षण पर जोर

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने वेलेंटाइन-डे का विरोध करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के विपरीत किसी भी पाश्चात्य अपसंस्कृति को समाज में बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। उन्होंने युवाओं से मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाने और भारतीय संस्कारों को प्राथमिकता देने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि विदेशी परंपराओं का अंधानुकरण समाज में भ्रम पैदा करता है, इसलिए जागरूकता आवश्यक है। कार्यक्रम से पूर्व शहर की मुख्य गलियों और सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया गया।

संयुक्त कार्रवाई में ओवरलोड व बिना अनुमति परिवहन पकड़ा गया

अवैध रेत व मिट्टी परिवहन पर प्रशासन का शिकंजा, 10 डंपर जब्त

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को विभिन्न स्थानों पर छापामार कार्रवाई करते हुए रेत के ओवरलोड एवं मिट्टी के अवैध परिवहन में लगे कुल 10 डंपर जब्त किए। ग्राम जासलपुर, तहसील नर्मदापुरम से एक ट्रक क्रं एमपी 09 जीजी 2643 को रेत का ओवरलोड परिवहन करते पकड़ा गया। वहीं मोहासा औद्योगिक क्षेत्र से दो डंपर एमपी 16 एच 1782 एवं एमपी 37 जीए 2555 को मिट्टी खनिज का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया गया। जब्त वाहनों को सुरक्षार्थ क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय परिसर नर्मदापुरम में खड़ा कराया गया है। इसी प्रकार तहसील इटारसी क्षेत्र में रेत के 7 ओवरलोड डंपर क्रं आरजे 09 जीई 2297, एमपी 12 एच 4646, एमपी 12 जेडएफ 6774, एमपी 47 एच 7707, एमपी 47 जेडसी 5783, एमपी 09 बीजी 0542 एवं आरजे 09 जीई 6453 जब्त किए गए। इन वाहनों को कृषि उपज मंडी परिसर

इटारसी एवं थाना परिसर रामपुर गुर्रा में सुरक्षित रखा गया है। कार्रवाई के दौरान एसडीएम इटारसी निलेश शर्मा, एसडीएम नर्मदापुरम जय सोलंकी, तहसीलदार इटारसी सुनीता साहनी, जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम, खनिज निरीक्षक पिंकी चौहान, प्रभारी खनिज निरीक्षक कृष्णकांत सिंह परस्ते, सिपाही हेमंत राज सहित पुलिस एवं होमगार्ड बल मौजूद रहा। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जब्त वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पचमढ़ी-इटारसी-सोहागपुर के मेलों में उमड़ेंगे लाखों श्रद्धालु

महाशिवरात्रि पर नर्मदापुरम जिला शिवमय

अनोखा तीर नर्मदापुरम। जिले में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर व्यापक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। पचमढ़ी इटारसी एवं सोहागपुर में आयोजित होने वाले प्रमुख मेलों में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। पचमढ़ी के महादेव मेला, इटारसी के तिलक सिंदूर मेला तथा सोहागपुर के शिवरात्रि मेले में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन हेतु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार तीनों मेला स्थलों पर सुरक्षा, सुगमता एवं मूलभूत सुविधाओं की व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। तीनों मेला स्थलों पर पृथक कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जहां से सीसीटीवी एवं मैदानी अमले के माध्यम से सतत निगरानी रखी जा रही है। प्रशासनिक अधिकारी लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं को निर्बाध रूप से दर्शन लाभ मिल सके।

● **यातायात और पार्किंग की विशेष योजना :** यातायात विभाग एवं आरटीओ द्वारा पार्किंग स्थल चिन्हित कर वाहनों की आवाजाही के लिए अलग-अलग रूट निर्धारित किए गए हैं। दुकानों का आवंटन सुव्यवस्थित लेआउट के आधार पर किया गया है, जिससे भीड़ नियंत्रण में आसानी हो और श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। मेला स्थलों पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा हेल्थ कैंप स्थापित किए गए हैं। प्राथमिक उपचार के साथ एंबुलेंस की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जा सके। प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। होमगार्ड, आपदा प्रबंधन दल एवं अग्निशमन वाहन तैनात कर दिए गए हैं। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है।

● **वरिष्ठ अधिकारियों का लगातार निरीक्षण :** पचमढ़ी महादेव मेले में जिपं सीईओ हिमांशु जैन एवं पिपरिया एसडीएम आकिब खान द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। केंद्रीकृत कंट्रोल रूम से स्वच्छता, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की मॉनिटरिंग की जा रही है। इटारसी में एसडीएम निलेश शर्मा द्वारा तिलक सिंदूर मेले का सतत निरीक्षण कर अधिकारियों को व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं सोहागपुर में एसडीएम प्रियंका भलावी ने एसडीओ पुलिस के साथ संयुक्त निरीक्षण कर नगर पालिका अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

● **कानून एवं शांति व्यवस्था के सख्त निर्देश:** कलेक्टर सोनिया मीना ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रमुख शिवालयों एवं मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी आमद को ध्यान में रखते हुए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। महाशिवरात्रि पर निकलने वाली शोभायात्राओं, चल समारोहों एवं जुलूसों के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था पूरी तरह बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व जिलेभर में धूमधाम से मनाया जाएगा।

सार-समाचार

नगर में हुआ श्याम भक्तों का जगह-जगह स्वागत

● बाबा खाटू श्याम के भक्तों के हाथों में लहराये श्याम निशान

अनोखा तीर, खातेगांव। खाटू श्याम भक्तों की आस्था विश्वास का जन सैलाव खातेगांव नगर में दिखाई दिया। पंचमुखी हनुमान मंदिर से यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा का नगर में जगह-जगह श्याम भक्तों ने स्वागत सम्मान किया। यात्रा मंडी गेट पहुंची जहां शाम भक्तों का साहू समाज खातेगांव की ओर से वरिष्ठ समाजसेवियों की उपस्थिति में पुष्प वर्षा के साथ स्वागत-सम्मान किया गया। साहू समाज के अध्यक्ष संतोष पटेल एवं समाजजनों ने बाबा खाटू श्याम का पूजन कर बाबा को श्रीफल अर्पित किया। इस अवसर पर यात्रा में श्याम भक्त, श्याम प्रेमी हाथों में बाबा के निशान लिए बाबा के जयकारे लगाते नजर आए। विशाल निशान

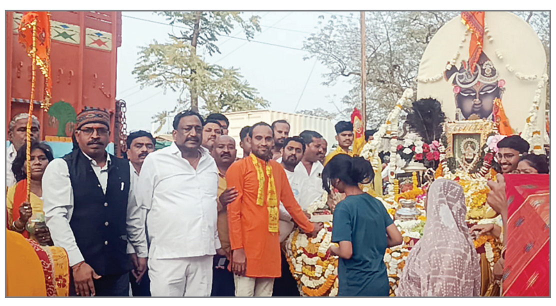

यात्रा नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए खातेगांव खाटू श्याम मंदिर पहुंची। जहां पर भक्त-श्रद्धालु बाबा की महाआरती में शामिल हुए। एकादशी होने से इस यात्रा का और भी महत्व बढ़ गया। जहां भक्त-श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाकर फलिहारी खिचड़ी महाप्रसादी का भोग ग्रहण किया। इस बार फागुन माह की विजया एकादशी का महासंयोग था। इस एकादशी पर बाबा के दरबार में पहुंचकर मन से जो प्रार्थना लगते हैं वह प्रार्थना विजय में परिवर्तित हो जाती है।

श्याम परिवार कन्नौद द्वारा निकली निशान यात्रा पहुंची खातेगांव खाटू श्याम मंदिर

जानकारी देते हुए खाटू श्याम परिवार के सदस्यों ने बताया कि बाबा खाटू श्याम की प्रेरणा से श्याम परिवार कन्नौद द्वारा 21 किमी. की भव्य विशाल निशान यात्रा राधा कृष्ण मंदिर सतवास रोड से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से खातेगांव पहुंची। श्याम परिवार कन्नौद के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि जब बाबा के दरबार में पहुंचते हैंद्ध रिंगस उतरकर खाटू श्याम के लिए हाथों में निशान लेकर भक्त श्रद्धालुओं को देखते थे तो वहां दूरी 19 किमी. की थी। तब हमारे मन में यह प्रेरणा जागी कि हम खाटू श्याम पदयात्रा नहीं कर पाते हैं तो कन्नौद से खातेगांव नरेश खाटू श्याम के मंदिर तक 21 किमी. की है यात्रा की जाए और बाबा की प्रेरणा से यह यात्रा पूर्ण हुई। कन्नौद डोकाकुई, कलवार, क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। खातेगांव नगर के मुख्य मार्ग एवं इमली बाजार पर दादा जी परहित सेवा संस्थान खातेगांव ने पुष्प वर्षा कर स्वागत व सम्मान किया।

श्री पिपलेश्वर महादेव का होगा आकर्षक श्रृंगार, शिव बारात का होगा स्वागत

अनोखा तीर, देवास। शिवरात्रि महापर्व के पावन अवसर पर इस 13 वर्ष भी शोभा यात्रा रूपी शिव बारात का भव्य स्वागत अभिनन्दन किया जाएगा। भजन गायक संजय कुमार जैन लख्खाजी ने बताया कि स्वागत सत्कार का कार्यक्रम श्री पिपलेश्वर महादेव भक्त मंडल एवं सेवा

समिति के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत शिव बारात में सम्मिलित श्रद्धालु भक्तजनों का हार्दिक सत्कार किया जाएगा। शिव बारात नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकलेगी, जिसमें श्रद्धालु भगवान जय शिव जय भोलेनाथ के जयघोष के साथ शामिल होंगे। बारात के दौरान आकर्षक झांकियां, भजन-कीर्तन और ढोल-नगाड़ों की गूंज से समूचे नगर भर का पूरा वातावरण शिवमय हो उठेगा। विशेष रूप से पिपली बाजार चौराहे पर शिव बारात का भव्य स्वागत, अभिनंदन एवं सत्कार किया जाएगा। श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर बारात शिव का स्वागत किया जाएगा। शिव बारात के पूर्व सायं 7 बजे श्री पिपलेश्वर महादेव जी के मंदिर में श्री पिपलेश्वर शिवजी की महाआरती का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहेंगे। आरती के उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा। साथ ही शिवजी के दिव्य मंत्रों से सुसज्जित पत्रकों का वितरण भी किया जाएगा।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 201 लाभार्थियों ने लिया आयुष की सेवाओं का लाभ

● आयुर्वेद और होम्योपैथिक दवाओं का किया नि:शुल्क वितरण

अनोखा तीर, बैतूल। वन विद्यालय बैतूल में 14 फरवरी शनिवार को आयुष विभाग द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन कार्यालय संचालक वन विद्यालय बैतूल के आग्रह पर किया गया। शिविर संचालक वन विद्यालय बैतूल लक्ष्मीकांत वासनिक, अनुदेशक वन विद्यालय अमित खन्ना और सहायक अनुदेशक वन विद्यालय केएस बघेल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि वन विद्यालय

बैतूल में नोडल अधिकारी डॉ. लक्ष्मी किशनानी द्वारा आयुष विभाग की संचालित योजनाओं एवं सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय में संचालित गुदा मार्गगत रोग चिकित्सा शिविर, पंचकर्म शिविर, गर्भ संस्कार, स्वर्ण प्राशन, आयुष क्योर एप तथा प्रतिदिन योगाभ्यास के संबंध में जानकारी प्रदान की। शिविर में डॉ. नरेंद्र डढोरे, डॉ. पूनम नागले, डॉ. हेमराज इवने, डॉ. अर्चना आसरेकर, डॉ. शिवदयाल कुमरे सहित कुल 15 कर्मचारियों ने सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने रोग अनुसार नि:शुल्क औषधियों का वितरण किया तथा योग शिक्षक सहायक ने दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने के लिए सरल योग क्रियाएं और अभ्यास कराए। शिविर में आयुर्वेद औषधि के 156 और होम्योपैथिक औषधि के 45 लाभार्थियों सहित कुल 201 लोगों ने उपचार एवं दवाओं का लाभ प्राप्त किया।

जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत करना पहली प्राथमिकता : डागा

आमला विधानसभा के चारों नवनियुक्त अध्यक्षों के साथ की रणनीतिक बैठक

अनोखा तीर, बैतूल। आमला विधानसभा क्षेत्र में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती देने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष निलय डागा ने चारों नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण और रणनीतिक बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की। बैठक में हाल ही में नियुक्त जिला संगठन महासचिव बृजभूषण पांडे ने विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए संगठन विस्तार की ठोस रूपरेखा रखी। बैठक में आमला ब्लॉक अध्यक्ष विजेंद्र भावसार, सारनी ब्लॉक अध्यक्ष बटेश्वर भारती, बोरदेही ब्लॉक अध्यक्ष महेश यादव और सारनी ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष ललित यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष निलय डागा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना ही पहली प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लॉक में पंचायत कमेटियों का गठन शीघ्र किया जाए और उसके साथ ही हर वार्ड में सक्रिय वार्ड कमेटियां बनाई जाएं, ताकि संगठन की पकड़ बूथ स्तर तक सुनिश्चित हो सके। डागा ने कहा कि जब तक संगठन की जड़ें गांव और वार्ड तक नहीं पहुंचेंगी, तब तक जनता की आवाज प्रभावी ढंग से नहीं उठाई जा सकती। उन्होंने चारों ब्लॉक अध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय कार्यकर्ताओं की पहचान कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि प्रत्येक स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित कर रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेजी जाए। जिला संगठन महासचिव बृजभूषण पांडे ने बैठक में विस्तृत कार्ययोजना रखते हुए बताया कि आने वाले समय में सदस्यता अभियान, बूथ सशक्तिकरण और जनसमस्याओं के संकलन पर विशेष जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत और वार्ड कमेटियों के गठन के बाद एक संरचित नेटवर्क तैयार होगा, जिसके माध्यम से आमजन की समस्याएं सीधे जिला स्तर तक पहुंचेंगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलनात्मक कार्यक्रम भी तय किए जाएंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आमला विधानसभा क्षेत्र के चारों ब्लॉकों में अलग-अलग चरणों में संगठनात्मक समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। हर ब्लॉक अध्यक्ष को समयबद्ध लक्ष्य दिए गए हैं और कार्य की प्रगति की निगरानी की जाएगी। रणनीतिक बैठक का स्वर और संदेश साफ था कि कांग्रेस अब आमला विधानसभा क्षेत्र में संगठनात्मक ढांचे को नीचे से ऊपर तक व्यवस्थित कर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ना चाहती है। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने और जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

पुलवामा के शहीदों को किया नमन

बैठक के समापन अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पुलवामा में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में हुआ आतंकी हमला देश के इतिहास का अत्यंत पीड़ादायक अध्याय है, लेकिन हमारे वीर सैनिकों का साहस, शौर्य और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण सदैव अमर रहेगा। उन्होंने कहा कि शहीद जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की एकता और अखंडता की रक्षा की है, जिसके लिए समूचा राष्ट्र उनका सदैव ऋणी रहेगा।

अटूट श्रद्धा और विश्वास का केन्द्र बने धर्मेश्वर महादेव

धर्मराज युधिष्ठिर के हाथों से स्थापित शिवलिंग के दर्शन के लिए आते हैं हजारों श्रद्धालु

अनोखा तीर, सतवास। संपूर्ण सतवास अंचल के हजारों श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केन्द्र बन चुके धर्मेश्वर मंदिर में वैसे तो प्रतिदिन श्रद्वालुओ तांता लगा रहता है। लेकिन श्रावण माह, शिवरात्रि, गुरू पूर्णिमा, रक्षाबंधन पर हजारों की संख्या में श्रद्वालुगण पहुंचते हैं। प्राकृतिक वादियों और धने जंगलों के बीच बगलानी की पहाड़ियों पर स्थित यह मंदिर श्रद्धा के साथ-साथ क्षेत्र का मुख्य दर्शनीय स्थल भी माना जाता है। पौराणिक मान्याताओं के अनुसार महाभारत काल में अपने वनवास के दौरान धर्मराज युधिष्ठिर ने नर्मदा तट पर भगवान शिव की पूजा करने के लिए इस शिवलिंग की स्थापना की थी तभी से इसका नाम धर्मेश्वर महादेव पड़ा। नर्मदा पुराण सहित अन्य ग्रंथों में इसके पर्याप्त सबूत है।

संधर्षों की दास्तान है मंदिर की स्थापना

सतवास से करीब 20 किमी दूर सतवास-पुनासा रोड पर स्थित बगलानी की पहाड़ियों पर स्थित इस मंदिर की स्थापना संघर्षों की कहानी से भरी है। दरअसल इंदिरा सागर परियोजना के तहत नर्मदा नदी के तटों पर स्थित ग्राम किटी, धर्मपुरी, जिनवानी आदि में स्थित छोटे-बड़े सभी मंदिर व देवस्थान डूब की परिधी में आ गये। तब पुर्नवास करने वाली एनएचडीसी ने निर्णय लिया कि डूब क्षेत्र के सभी मंदिरों का एकसाथ मुआवजा स्वीकृत कर इन्हें यहां से हटाकर एकसाथ खंडवा के समीप स्थापित कर दिया जाए। लेकिन भगवान धर्मेश्वर के प्रमुख उपासक व मंदिर की देखभाल करनेवाले ब्रह्मलीन संत काशी मुनि उदासीन इसके लिये तैयार नहीं थे। वे धर्मेश्वर मंदिर को नर्मदा तट के समीप ही किसी स्थान पर स्थापित कर उसे प्रमुख तीर्थ स्थल बनाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने तत्कालीन सरकार व एनएचडीसी से लंबी लड़ाई लड़ी। एकबार तो उन्होंने भोपाल में विधानसभा के सामने जल समाधि करने की धोषणा की जिससे पूरा प्रशासन हिल गया। आखिरकार सरकार ने ग्रामीणों की श्रद्धा और काशी मुनि की जिद के सामने झुकते हुये इस मंदिर के लिए सात लाख रुपए का मुआवजा स्वीकृत किया। बगलानी की पहाड़ी पर एक श्रद्वालु नें मंदिर समिति को जमीन दी। सन 2003 में मंदिर का निर्माण प्रांरभ हुआ और सन 2010 में शिवरात्रि पर नवर्निमित मंदिर में भगवान धर्मेश्वर की धूमधाम से स्थापना हुई। वर्तमान में इस मंदिर में नर्मदा परिक्रमावासियों के लिये पूरे बारह मास अन्न-क्षेत्र चलता है। पूर्णिमा, शिवरात्रि, श्रावण मास में यहां बड़े-बड़े धार्मिक आयोजन किये जाते हैं। पौराणिक मान्याताओ में नर्मदा के हर कंकर को भगवान शंकर का रूप माना गया है। आज यह देवास जिले का प्रसिद्व धार्मिक स्थल बन गया

महाशिवरात्रि पर 300 साल बाद बनेगा अद्भुत संयोग

चतुर्ग्रही योग सहित आठ महासंयोगों का दुर्लभ समागम

अनोखा तीर, देवास। वर्ष 2026 की महाशिवरात्रि इस बार अत्यंत विशेष और दुर्लभ मानी जा रही है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार लगभग 300 वर्ष बाद ऐसा अद्भुत संयोग बन रहा है, जब महाशिवरात्रि पर चतुर्ग्रही योग के साथ आठ महासंयोगों का समागम हो रहा है। मान्यता है कि इस दिव्य अवसर पर भगवान शिव एवं माता पार्वती के साथ-साथ भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की भी विशेष कृपा भक्तों पर बरसेगी। वैदिक आचार्य पं. संदीप शास्त्री ने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का व्रत करने से अश्वमेध यज्ञ

के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। उनका कहना है कि यदि कोई व्यक्ति वर्षभर कोई व्रत-उपवास न भी करे, लेकिन केवल महाशिवरात्रि का व्रत श्रद्धा और विधि-विधान से कर ले, तो उसे वर्षभर के व्रतों के समान पुण्य प्राप्त होता है। पं. शास्त्री के अनुसार इस वर्ष महाशिवरात्रि पर निम्न आठ प्रमुख योगों का संयोग बन रहा है- चतुर्ग्रही योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, व्यतिपात योग, बुधादित्य योग, लक्ष्मी नारायण योग, शुक्र आदित्य योग, महालक्ष्मी योग, श्रवण नक्षत्र योग। विशेष रूप से लक्ष्मी नारायण योग और महालक्ष्मी योग के प्रभाव से इस बार महाशिवरात्रि पर माता लक्ष्मी और भगवान नारायण की विशेष कृपा प्राप्त होगी। इन दुर्लभ संयोगों के कारण यह पर्व आमजन के लिए अत्यंत फलदायी और मंगलकारी माना जा रहा है। महाशिवरात्रि की रात्रि में जागरण कर चार प्रहर की पूजा करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि ऐसा करने से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। पं. शास्त्री ने पूजा के चार प्रहरों का समय इस प्रकार बताया कि प्रथम प्रहर- सायं 6.39 बजे से रात्रि 9.45 बजे तक, द्वितीय प्रहर रात्रि 9.45 बजे से 12.50 बजे तक, तृतीय प्रहर- रात्रि 12.50 बजे से प्रात: 3.58 बजे तक एवं चतुर्थ प्रहर प्रात: 3.58 बजे से 7.05 बजे तक रहेगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया है कि इस दुर्लभ और पावन अवसर पर विधि-विधान से व्रत, पूजन और रात्रि जागरण कर भगवान शिव की आराधना करें तथा इस दिव्य महासंयोग का पुण्य लाभ प्राप्त करें।

नगर में निकलेगी भव्य शिव बारात, सयाजी द्वार से नागेश्वरी मंदिर तक होगा स्वागत

गजराज पर सवार होंगे बाबा महाकाल

अनोखा तीर, देवास। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नमो-नमो संस्था द्वारा लगातार 13वें वर्ष भव्य एवं अनूठी शिव बारात का आयोजन किया जा रहा है। शिव बारात आज शाम 5 बजे सयाजी द्वार से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए नागेश्वरी मंदिर तक पहुंचेगी। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा शिव बारात का भव्य स्वागत किया जाएगा। संस्था संयोजक राजेश यादव, अध्यक्ष वरुण अग्रवाल एवं कार्यक्रम अध्यक्ष अनिल चौधरी ने बताया कि इस वर्ष की शिव बारात को विशेष रूप से आकर्षक स्वरूप दिया गया है। देश के विभिन्न राज्यों से कलाकार आयोजन में शामिल होंगे। केरल की प्रसिद्ध ढोल पार्टी, गुजरात की महिलाओं की डमरू टोली, उत्तर प्रदेश की सजीव झांकियां, रतलाम की चलित झांकियां तथा बेरसिया के कलाकारों द्वारा देवताओं की जीवंत प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इस बार झाबुआ की वनवासी टोली विशेष प्रस्तुति देगी। वहीं उज्जैन की शाही सवारी की तर्ज पर बाबा महाकाल की भव्य झांकी शिव बारात में शामिल होगी। विशेष रूप से गजराज पर सवार बाबा महाकाल की झांकी श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आकर्षण रहेगी।

भगवान भोलेनाथ माता पार्वती को ब्याहने के लिए प्रस्थान करेंगे, जिसका सजीव दृश्य श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर करेगा। कार्यक्रम में देवास सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, विधायक गायत्री राजे पंवार, पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल, सभापति रवि जैन, पूर्व जिलाध्यक्ष बहादुर मुकाती, नंदकिशोर पाटीदार, पूर्व महापौर सुभाष शर्मा, शरद पाचुनकर, राष्ट्रीय कवि शशिकांत यादव एवं विश्वामित्र अवार्डी सुदेश सांगते सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। संस्था संचालक मंडल के सुमेरसिंह ठाकुर, संजय दायमा, नरेंद्र सोलंकी, दीपक सोनी, मनोज गर्ग, मनीष जैन, अजय तोमर, सुरेंद्र परिहार, बंटी मंगरोलिया, नितिन शेलके, नीलेश वर्मा, प्रवीण वर्मा, पंकज वर्मा, राम यादव, गोपाल खत्री, राहुल गोस्वामी, रोहित खिची (काली), रवि दायमा, लक्खा खत्री, गोलू पीओपी, राहुल ठाकुर, हेमंत कोदिया, दिनेश शर्मा एवं शशांक पवैया अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं से शिव बारात में सहभागिता का आग्रह किया है।

ओवरहाइट भूसा ट्रक जब्त

पुलिस की कार्रवाई में चार वाहन पकड़े, ड्राइवरों पर केस दर्ज

अनोखा तीर, देवास। पुलिस ने भोपाल-इंदौर हाईवे पर यातायात बाधित करने और खतरनाक तरीके से ओवरहाइट भूसा ले जा रहे चार ट्रकों को जब्त किया है। यह कार्रवाई शनिवार सुबह गश्त के दौरान रसूलपुर चौराहा टाटा शोरूम के पास पर की गई। पुलिस ने ड्राइवरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकांत चौरसिया के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने इन ट्रकों को लापरवाहीपूर्वक चलते देखा। ड्राइवरों द्वारा ट्रकों को लहराते हुए चलाया जा रहा था और हाईवे के बीचों-बीच खड़ा कर दिया गया था, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया और लंबा जाम लग गया। इससे आम जनता को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर चारों ट्रकों को जब्त कर लिया और चालकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू की। जब्त किए गए वाहनों में वाहन क्रं एमपी 04 एचई 5251 गणेश पिता भागचंद कपाड़िया विदिशा, वाहन क्रं एमपी 04 व्हायई 9551 मोनु कपाड़िया पिता द्वारकाप्रसाद विदिशा, वाहन क्रं एमपी 13 झेठजी 0891 राजा खान पिता बसीर खान भोपाल, वाहन क्रं एमपी11 एच 0105 हनीफ खान पिता हबीब खान भोपाल शामिल हैं। चारों आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने कहा है कि सड़क सुरक्षा और जन-सुविधा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और यातायात नियमों का उल्लंघन कर आमजन की जान जोखिम में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

निगम आयुक्त ने शंकरगढ़ गौशाला का किया आकस्मिक निरीक्षण

व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए

अनोखा तीर, देवास। दलीप कुमार, निगम आयुक्त द्वारा शंकरगढ़ स्थित गौशाला का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गौशाला की विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी संस्था अभिरंग संचालक बसंत वर्मा से प्राप्त की गई। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गोबर से कंडे (उपले) का अधिक से अधिक निर्माण किया जाए तथा भविष्य में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए लगभग 10 दुग्ध देने वाली गायों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, जिससे गौशाला को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो सके और संचालन में आर्थिक सहयोग मिल सके। साथ ही उन्होंने समाज में गौसेवा की भावना रखने वाले नागरिकों एवं किसानों से सतत संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि गौशाला के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान टीन शेड एवं भूसा भंडार का भी अवलोकन किया गया। आयुक्त ने निर्देश दिए कि भूसा भंडारण के लिए स्टोर को और बड़ा बनाया जाए, जिससे सीजन में अधिक मात्रा में भूसा सुरक्षित रखा जा सके। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी जितेंद्र सिंह सिसोदिया एवं स्वास्थ्य निरीक्षक हरेंद्र सिंह ठाकुर, हिमांशु जोशी, संदीप बैरागी उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल,म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। **प्रधान संपादक** सुरेश लोहाना / **संपादक** प्रहलाद शर्मा / **प्रबंध संपादक** महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। **सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।**

सार-समाचार

बच्चे कानूनी रूप से बने साक्षर

शासकीय मा. शाला हरदाखुर्द में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

अनोखा तीर, हरदा। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में शनिवार को एकीकृत शासकीय मा. शाला हरदाखुर्द में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित न्यायाधीश/सचिव चंद्रशेखर राठौर द्वारा बताया गया कि बच्चों के अधिकारों के बारे में लोगों को शिक्षित करना और बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और बाल यौन

शोषण बाल विवाह, बाल श्रम आदि के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए है। साथ ही यह भी बताया गया कि नालसा डॉन स्कीम 2025 राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा द्वारा नशा उन्मूलन हेतु शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य, विशेष रूप से युवा व किशोरों में नशीले पदार्थों के उपयोग के विरूध्द जागरूकता बढ़ाना और नशे के शिकार लोगों को कानूनी सहायता और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करना है। इसी क्रम में बताया गया कि द्वारा नालसा बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना 2024 के आलोक में पॉक्सो एक्ट, पॉक्सो रूल्स तथा प्रतिकर से संबंधित अन्य कानूनी प्रावधानों एवं मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, 2015, नालसा लैंगिक हमलों/अन्य अपराधों की पीड़िताओं/सर्वाईवर्स महिलाओं के लिए प्रतिकर योजना, 2018 की जानकारी उपस्थितजनों को प्रदाय की गई। साथ ही आमजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थान में उपस्थित होकर/पत्र के माध्यम से/नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर/15100 पर कॉल कर विधिक सहायता/सलाह आसानी से प्राप्त कर सकते है। कानूनी मामलों में विधिक सलाह एवं परामर्श विधिक परामर्श केन्द्र से उक्त सेवा पूर्णत: नि:शुल्क है। शिविर में शिक्षकगण छात्र-छात्राएं एवं पैरालीगल वॉलेंटियर रेखा विश्नोई उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस की समन्वय समिति की बैठक संपन्न

अनोखा तीर, हरदा। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला प्रभारी रचना जैन के नेतृत्व में समन्वय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक होटल बागवान में आयोजित की गई। बैठक में जिले की जिला कार्यकारिणी, मंडलम अध्यक्ष, पंचायत कमेटी एवं वार्ड कमेटियों के गठन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिला प्रभारी रचना जैन ने सभी ब्लॉक अध्यक्षों को निर्देश दिए कि 20 फरवरी तक मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर अध्यक्ष, पंचायत कमेटी एवं वार्ड कमेटियों का गठन पूर्ण किया जाए। साथ ही गांव-गांव जाकर किसानों एवं मजदूर वर्ग के साथियों के साथ मंडलम एवं ग्राम पंचायत स्तर पर चौपाल चर्चा शुरू करने, भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों

पर चर्चा करने तथा आगामी समय में जिला स्तर पर आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद जवानों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन साईं, हरदा विधायक डॉक्टर रामकिशोर दोगने, टिमरनी विधायक अभिजीत शाह, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय सलाहकार हेमंत टाले, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शेर सिंह तोमर, पूर्व जिला अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पंवार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बद्री पटेल, किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश यादव, किसान कांग्रेस प्रदेश महामंत्री रविशंकर शर्मा, खिरकिया नगर अध्यक्ष आशुतोष कोठारी, विजय सुरमा, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रमिला सिंह ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष गोविंद व्यास, ब्लॉक अध्यक्ष शंकर सोलंकी, ब्लॉक अध्यक्ष रामदीन पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान, नेता प्रतिपक्ष अमर रोचलानी, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष योगेश चौहान, संजय जैन, अनिल बिश्नोई, रामचरण सिंधे, पुरुषोत्तम कलम, प्रेरक सारण सहित अन्य साथी उपस्थित रहे।

पंचकोशी यात्रा ने किया बड़ी छीपानेर में रात्रि विश्राम

-हजारों श्रद्धालू कर रहे मां नर्मदा की पैदल परिक्रमा

अनोखा तीर, हरदा। पंचकोशी यात्रा आज द्वितीय दिवस सीहोर जिले की बड़ी छीपानेर पहुंची। जहां श्रद्धालुओं ने रात्रि विश्राम किया। हजारों श्रद्धालू मां नर्मदा के जयकारों के साथ पंचकोशी पैदल परिक्रमा पर निकले हैं। यात्रा का मार्ग बदलने से पहली बार यह यात्रा बड़ी छीपानेर पहुंची, यहां के ग्रामवासियों ने श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए उनके लिए जगह-जगह भोजन एवं स्वलपाहार की व्यवस्था भी की। पंचकोशी की यह यात्रा 14 फरवरी सुबह छोटी छीपानेर होते हुए करताना की ओर प्रस्थान करेगी।

महाशिवरात्रि पर विशेष....

शंकर मंदिर जत्रापड़ाव - प्राचीन स्थल का गौरवशाली इतिहास

- पत्थरों से 64 कोण में हुआ था शंकर मंदिर का निर्माण
- अजनाल किनारे कुछ मंदिरों में शामिल था यह स्थान

पांच से सात दशक पहले शहर की भौगोलिक सीमा काफी कम थी। तब अजनाल नदी के किनारे कुछ एक मंदिर हुआ करते थे। शहर के जत्रापड़ाव स्थित प्राचीन शंकर मंदिर उनमें से एक था। जहां धर्मप्रेमीजनों के अलावा दूरदराज से लोग पूजन एवं दर्शन के लिए पहुंचते थे। आज शहर की भौगोलिक संरचना का खासा विस्तार हो चुका है। जहां जगह-जगह शिव मंदिर समेत अन्य देवी-देवताओं के मंदिर देखने को मिलेंगे। किंतु इन सबके बीच शंकर मंदिर जत्रापड़ाव की प्राचीनता आज भी देखते बनती है।

गर्भगृह में विराजमान भगवान शंकर।

रितेश त्यागी, हरदा।

शहर की अजनाल नदी के किनारे जत्रापड़ाव स्थित शंकर मंदिर का गौरवशाली इतिहास है। मंदिर का निर्माण कई दशकों पहले हुआ था। वर्तमान में बुजुर्ग लोग तक उसके निर्माण की वास्तविक जानकारी नही दे पा रहे हैं।

सिर्फ इतना ही कहते है कि हमारे होश संभालने से पहले शंकर मंदिर का निर्माण हो चुका था। इस प्राचीन स्थल के बारे में जब दैनिक अनोखा तीर ने जानकारी जुटाई तो इतिहास की शेष बातें ही सामने आई हैं। जत्रापड़ाव स्थित इस स्थान पर प्राचीन शंकर मंदिर के अलावा हनुमानजी का मंदिर और भैरव बाबा का स्थान है। जहां इसकी प्राचीनता का आभास कर चुके श्रद्धालु पूजन एवं दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यहां मंदिर प्रांगढ़ में कुल चार परिवार निवासरत हैं। जो सेवाभाव से मंदिरों की देखरेख समेत अन्य कार्यो में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। उनका कहना है कि पांच दशक पहले पंडित हीरालाल तिवारी मंदिर के प्रमुख सेवक थे, जो पुजारियों के माध्यम से भगवान की आरती व अन्य अनुष्ठान कराते थे। उन्हीं की मार्गदर्शन में वर्ष 1978 में हनुमानजी की मढ़िया पर पक्की छत डाली गई, जिस पर आज भी निर्माण तिथि अंकित है। पंडित श्री तिवारी का 16 मार्च 1994 को निधन हो गया। उसके बाद उनकी धर्मपत्नि सरजूबाई ने इस धार्मिक स्थल की देखरेख का जिम्मा लंबे समय तक निभाया। उनके देवलोकगमन पश्चात सेवानिवृत्त प्राचार्य भवानी शंकर पंचारिया ने भी अपनी भक्तिमय सेवाएं प्रदान की। अब स्व पंचारिया के भतीजे सुभाषचन्द्र पंचारिया प्रतिदिन सुबह-शाम मंदिर पहुंचकर भगवान शंकर, हनुमानजी और भैरब बाबा की पूजा-अर्चना करते हैं। इसके अलावा महाशिवरात्रि पर शंकर मंदिर जत्रापड़ाव से शोभायात्रा भी निकाली जाने लगी है।

जत्रापड़ाव स्थित प्राचीन शंकर मंदिर

पत्थरों से 64 कोण में बनी मंदिर की गुंबद

भक्तों के मुताबिक मंदिर की निर्माणशैली इसके प्राचीन इतिहास की गबाह है। पत्थरों से 64 कोण में बनी मंदिर की दीवारे व गुंबद में एक भी ज्वाइंट नजर नही आता है। मंदिर में जाप एवं आरती करते समय एक अलग ही ध्वनि का संचार होता है। भक्तों ने यह भी बताया कि पुराने लोग कहा करते थे कि इस प्राचीन मंदिर से दोपहर के सन्नाटे में ओमकार की ध्वनि आसपास के इलाकों तक सुनी जाती थी।

पुराने हरदा में भक्तों की आस्था का केन्द्र

बड़े-बुजुर्ग यह भी बताते हैं कि पुराने हरदा में अजनाल नदी के किनारे गंगा मंदिर, शंकर मंदिर जत्रापड़ाव, शंकर मंदिर पेड़ाघाट और गुप्तेश्वर मंदिर सबसे प्राचीन धार्मिक स्थल हैं। शंकर मंदिर जत्रापड़ाव में मकड़ाई के राजा दर्शन के लिए रूकते थे। उनका घोड़ा भी मंदिर प्रांगढ़ में आराम करता था। यह स्थान भक्तों की आस्था का केन्द्र था। लेकिन, समय के फेर में मंदिर की प्राचीनता मानों विलुप्त हो गई हो।

महाशिवरात्रि पर अग्निहोत्र हवन की परंपरा- सुभाषचन्द्र पंचारिया ने चर्चा दौरान बताया कि मंदिर के निर्माण की तिथि कोई बता नही सकता है। यह मंदिर उत्तरमुखी बह रही अजनाल और टिमरनी नदी के संगम पर स्थित है। जिसका खासा महत्व बताया जाता है। 103 वर्षीय मेरे ताऊ पंडित विष्णुप्रसाद पंचारिया आज भी हैं, वह भी कहते थे कि शंकर मंदिर बेहद प्राचीन है। उन्होंनें यह भी बताया कि हर साल महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिर में अग्निहोत्र हवन किया जाता है। जिसमें समस्त वर्ण के लोग शामिल हो सकते हैं। महाशिवरात्रि पर सुबह 10 से 12 बजे के मध्य हवन-पूजन दौरान मंत्रों के साथ घी की आहुतियां छोड़ी जाती हैं।

चेक बाउंस का मामला

परिवादी को 58 हजार रूपए चुकाने का निर्णय

अनोखा तीर, हरदा।

माननीय न्यायालय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी हरदा श्री प्रेमदीप शाह ने चेक के मामले में निर्णय सुनाया है। प्रकरण में परिवादी के अधिवक्ता आरबी कुशवाह ने पैरवी की। उन्होंनें बताया कि पक्षकार सुरेश बनाम आशिक प्रकरण में परिवादी सुरेश पिता तेजराम हरसोरा निवासी हरदा से आरोपी आशिक पिता इसराईल खान निवासी कन्नौद ने पचास हजार रूपए लिए थे। जिसके एवज में परिवादी को बैंक शाखा ननासा का चेक प्रदान किया था। जिसे परिवादी ने अपने बैंक खाते में राशि ट्रांसफर के लिए लगाया तो चेक बिना भुगतान के वापस हो गया था। इस संबध में परिवादी ने माननीय न्यायालय के समक्ष आरोपी के विरुद्ध चेक राशि की प्राप्ति के लिए परिवाद लगाया गया था। जिसका गुणदोषों के आधार पर 12 फरवरी 2026 को निर्णय आया है। जिसमें माननीय न्यायालय ने 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की ब्याज की दर से चेक राशि 50 हजार रूपए के अतिरिक्त 8,109 रूपए जोड़कर कुल राशि 58,109 रूपए परिवादी को प्रदान करने की बात कही है। उक्त राशि अदा न करने की दशा में अभियुक्त को 6 माह का साधारण कारावास पृथक से भुगताने का निर्देश दिया गया है।

नशे में लिप्त लोगों की खैर नही...

डेढ़ किलो से ज्यादा डोडा के साथ युवक गिरफ्तार

अनोखा तीर, हरदा।

सिटी कोतवाली की विशेष टीम ने शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर एक युवक को डेढ़ किलो से ज्यादा डोडा चूरा के साथ हिरासत में लिया है। युवक सोड़लपुर की तरफ से होंडा शाइन बाईक से हरदा की ओर आ रहा था, तभी पुलिस टीम ने फोरलेन हाइवे स्थित डंगावानीमा पुलिया के पास घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पुलिस पुछताछ में युवक ने अपना नाम सुशील पिता रामनारायण मालवीय उम्र 35 वर्ष निवासी श्रीनगर कालोनी हरदा बताया गया है। कार्रवाई दौरान की तलाशी लेने पर आरोपी के पास रखे थैले में 1 किलो 870 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा बरामद हुआ है। जिसकी अनुमानित कीमत 18,700 रूपए है। साथ ही आरोपी के कब्जे से बिना नंबर की होंडा शाइन कंपनी की मोटरसाईकल भी जप्त की है। जिसकी कीमत 20 हजार रूपए के आसपास है। आरोपी जप्त मोटरसाईकल के वैध दस्तावेज प्रस्तुत नही कर सका है। सिटी कोतवाली से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक श्री शशांक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार मिश्रा एवं एसडीओपी शालिनी परस्ते के मार्गदर्शन में नशे के खिलाफ सिटी कोतवाली द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम को शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक सोडलपुर की तरफ से बिना नंबर की मोटरसाईकल से हरदा की ओर आ रहा है। जिसके पास अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा होने की संभावना है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने फोरलेन हाइवे पर स्थित डंगावानीमा पुलिया के पास घेराबंदी की तैयारी की। आरोपी को पकड़ने के बाद पुलिस टीम ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर थाना हरदा में अपराध क्रमांक 99/26 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया है। संपूर्ण कार्रवाई में एएसआई जितेन्द्र राजपूत, आरक्षक प्रदीप मालवीय एवं आरक्षक नीलेश पटेल की विशेष भूमिका रही। सिटी पुलिस की अवैध मादक पदार्थो के विरूद्ध सतत एवं प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

- **सिटी कोतवाली की विशेष टीम ने की कार्रवाई**
- **फोरलेन हाइवे पर टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा**

कानून के शिकंजे में अपराधी ....

पुलिस टीम ने कुछ घंटों में बच्चो के हत्यारे को दबोचा

- **आरोपी ने बच्चो को कुरकुरे व खेत में बेर खिलाने का दिया था लालच**

- दुष्कर्म करते समय बच्चा चिल्लाया तो गला दबाकर कर दी हत्या

अनोखा तीर, हरदा।

सिविल लाइन थानाक्षेत्र के एक गांव में 6 वर्षीय बालक का शव मिलने के बाद पुलिस ने कड़ी से कड़ी जोड़कर आखिरकार अपराधी को पकड़ने में सफलता हासिल कर ली है। पुलिस टीम ने कुछ घंटो में ही घटना का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मामले में पुलिस अधीक्षक श्री शंशाक के दिशा निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार मिश्रा एवं एसडीओपी शालिनी परस्ते के मार्गदर्शन में सिविल लाइन थाना प्रभारी रामसुमेर तिवारी ने एक विशेष टीम का गठन किया था। पुलिस टीम ने तकनीकि साक्ष्य एवं सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल कर कड़ी से कड़ी जोड़कर आरोपी भूरा पिता लक्ष्मीनारायण उइके को हिरासत में लिया। वहीं मनोवैज्ञानिक तरीके से पुछताछ करने पर आरोपी भूरा ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी भूरा बालक को कुरकुरे व खेत में बेर खिलाने का लालच देकर गांव के खंडहरनुमा भवन में लेकर गया था। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान बालक के चिल्लाने पर उसका गला दबाकर हत्या कर दी। इतना ही नही, बालक का शव छिपाने की नीयत से घटनास्थल पर पड़ी बेंच को आड़ी कर उसे कपड़े से ढाक देना भी स्वीकार किया है। मामले में आरोपी भूरा उईके पिता लक्ष्मीनाराण उईके उम्र 35 साल जाति राजगौंड को थाना सिविल लाइन पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार किया। वहीं मेडीकल परीक्षण उपरान्त आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

संपूर्ण जांच में संकलित साक्ष्य के आधार पर आरोपी के विरुद्ध थाना सिविल लाइन हरदा में अपराध क्रमांक 53/2026 धारा 103(1) बीएनएस व लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 5 एम/6 का अपराध पंजीबध्द कर अनुसंधान में लिया गया।

- **पुलिस ने प्रकरण में गहनता से की जांच –** बता दें कि थानाक्षेत्र के एक गांव में 6 वर्षीय बालक का शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस ने मर्ग क्रमांक 06/2026 धारा 194 बीएनएसएस का पंजीबध्द कर जांच में लिया गया। जांच के दौरान घटना स्थल का सुक्ष्मता से निरीक्षण किया। बालक का शव संदेहास्पद स्थिति में मिलने से मर्ग जांच में एफएसएल टीम व फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया। वहीं बालक के परिजन व साक्षीगणों से विस्तृत पुछताछ कर साक्ष्य भी संकलित किए गए। मृत बालक का पीएम डाक्टरों की पैनल से कराया गया था।
- **पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर टीम गठित –** पुलिस अधीक्षक श्री शशांक ने घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के बाद समुचित दिशा निर्देश प्रदान किए थे। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार मिश्रा एवं एसडीओपी शालिनी परस्ते के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना सिविल लाइन रामसुमेर तिवारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। जिसमें निरीक्षक रामसुमेर तिवारी, उपनिरीक्षक संतोष बामने, प्रधान आरक्षक अनिल मर्सकोले, आरक्षक वीरेन्द्र राजपूत, आरक्षक सचिन चौधरी, सैनिक सूरज पासी की संपूर्ण कार्रवाई में सक्रिय भूमिका रही।